mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-73 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
16 मार्च 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

गैस एजेंसी पर हंगामा:देशभर में सुबह से लाइनें लगीं, 950 वाला घरेलू गैस सिलेंडर ब्लैक में 3500 में मिल रहा

नई दिल्ली,एजेंसी।। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देश में ख़ास संकट बढ़ गया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब-चंडीगढ़, हरियाणा और राजस्थान सहित अन्य राज्यों में सिलेंडर के लिए सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों पर लाइनें लग गई हैं। ख़ास संकट के कारण गैस सिलेंडर की कालाबाजारी भी बढ़ गई है। 950 रुपए में आने वाला घरेलू गैस सिलेंडर 3500 रुपए और 2 हजार रुपए के कॉमर्शियल सिलेंडर ब्लैक में 5 हजार रुपए में बेचा जा रहा है।

पंजाब-चंडीगढ़: गैस के लिए मारामारी, कहीं रेड-कहीं अफरातफरी पंजाब-चंडीगढ़ में गैस संकट बरकरार है। लोग सुबह साढ़े 4 बजे ही लाइन में लगे हुए हैं। अमृतसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। जालंधर में भी एजेंसियों के बाहर भीड़ दिखी। उधर, चंडीगढ़ में पुलिस की निगरानी में सिलेंडर मिल रहे हैं।

मध्य प्रदेश: घरेलू सिलेंडर के लिए 8 घंटे से कतार में : रसोई गैस (ख़ास) का संकट बढ़ता जा रहा है। छोटे बच्चे हो या बुजुर्ग, सब घंटों लाइन में लग रहे हैं। 8 घंटे तेज धूप में खड़े होने के बाद सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। 6 दिनों से 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिले हैं। होटल-रेस्टोरेंट में गैस खत्म हो गई है। इसलिए वहां मेन्यू बदला है। कई रेहड़ी भी बंद हो गई है।

हरियाणा: पेट्रोल पंप संचालकों को आदेश, जरूरत से ज्यादा तेल न दें :गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच अचानक अब डीजल की डिमांड बढ़ गई है। उपभोक्ता जरूरत से ज्यादा डीजल स्टॉक कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पर नजर रखना शुरू कर दिया है। सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें और किसी भी उपभोक्ता को जरूरत से ज्यादा तेल न दें।

पीएनजी कनेशन वालों को एलपीजी सिलेंडर नहीं

रसोई गैस की सप्लाई के 4 नए नियम

अब एक घर मे (पाइप गैस) और (सिलेंडर) दोनों कनेक्शन रखना गैर-कानूनी होगा।

जिनके पास कनेक्शन एक्टिव है, वे अब अपने सिलेंडर की रिफिलिंग (बुकिंग) नहीं करा सकेंगे।

जिनके पास दोनों सुविधाएं हैं, उन्हें अपना घरेलू कनेक्शन विभाग को तुरंत सरेंडर करना होगा।

कनेक्शन वालों को नहीं मिलेगा सिलेंडर अगर आपके घर में पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन है, तो अब आपको अपना सिलेंडर को सरेंडर करना होगा।

मोदी सरकार वांगचुक के परिवार और लद्दाख के लोगों से मांगे माफी :कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे सरकार का 'यू-टर्न' बताते हुए कहा कि सरकार को वांगचुक ही नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों से भी माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वांगचुक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने कहा, कि छह महीने पहले पूरी तरह से फर्जी आधार पर की गई गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी कड़ी आपत्ति जताई थी। अब सरकार द्वारा हिरासत रद्द किए जाने से यह साफ हो गया है कि उसका फैसला गलत था।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की, कि उसने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को लगभग छह महीने पहले लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद एनएसए लगाकर गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, कि मोदी सरकार का यह फैसला उसके पहले के रुख से पूरी तरह अलग है। उन्होंने लिखा कि सरकार अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और उसे अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोनम वांगचुक तथा उनके परिवार से माफी मांगनी चाहिए। इसी के साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि उन सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाए जिन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में लिया गया था।

मणिपुर में 60 किलो विस्फोटक संग भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल,एजेंसी। सुरक्षा बल मणिपुर में तलाशी अभियान चलाते हुए अवैध हथियारों की बरामदी के साथ ही राज्य के संवेदनशील इलाकों में वाहनों की सुरक्षित आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं। इसी कड़ी में चुराचांदपुर जिले से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को चुराचांदपुर जिला के हेंगलेप थानांतर्गत ओल्ड नबिल, थांगजिंग टॉप के पूर्व इलाके में अभियान चलाते हुए एक देसी रॉकेट, लगभग 7 फुट लंबा और जिसमें लगभग 60 किलोग्राम विस्फोटक था, एक देसी सिंगल बैरल बंदूक, सात 7.62 एमएम के खाली कारतूस, चार मैगजीन, एक मोर्टार बम और एक देसी मोर्टार/पंपी बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि सुरक्षा बल ज़िलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने का काम लगातार कर रहे हैं। मणिपुर के अलग-अलग ज़िलों में, पहाड़ों और घाटियों, दोनों जगहों पर शनिवार को कुल 115 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे, लेकिन किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। इसी तरह सुरक्षा बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर ज़रूरी सामान ले जा रहे 271 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं और वाहनों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीख का ऐलान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा मतदान

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। तमिलनाडु में सिंगल फेज में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं तीन राज्य केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज यानी 9 अप्रैल वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए। पहला था

जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे। दूसरा- मोबाइल फोन पोलिंग स्टेशन के बाहर ही रखा जाएगा। वोट देने के बाद उसे वापस ले सकेंगे।इसके साथ ही 5 राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाएगी। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई में खत्म हो रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- हमने 12 महीने में कई प्रयोग किए

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया-' पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए।

चुनाव आयोग का ऐलान- मतदान केंद्रों के लिए 100% वेबकास्टिंग होगी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर 100% वेबकास्टिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

अमित शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा-वह संसद में चाय-पकोड़े खाने जाते हैं

गुवाहाटी,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने असम दौरे के दूसरे रविवार को राज्य की स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास के कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने भाषण की शुरुआत आदिशक्ति कामाख्या और महापुरुषों लचित बरफुकन, वीर चिलाराय, महाराज पृथु को याद करते हुए किया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, वह संसद में चाय पकोड़े खाने जाते हैं। राहुल गांधी को संसद की जानकारी नहीं है। संसद ब्रेकफास्ट करने की जगह नहीं है।

गुवाहाटी के बिरुवारी में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने प्राज्योतिष मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में प्रदेश की भाजपा सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के काम-काज की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, ''10 साल पहले राज्य की स्वास्थ्य सेवा बहुत ही निम्न स्तर की थी। आज असम की स्वास्थ्य सेवा काफी बेहतर है। असम में कई अच्छे मेडिकल संस्थान बने हैं। कैंसर संस्थान के निर्माण से स्वास्थ्य क्षेत्र को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है।'' रतन टाटा को गृहमंत्री अमित शाह ने याद किया। शाह ने कहा, '' सरकारी अस्पताल में प्रोटॉन थेरेपी वाला देश का पहला राज्य असम बनने जा रहा है। पूर्वोत्तर में कैंसर रोगियों की संख्या अधिक है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने अपने परिवार की सेहत का ध्यान रखा। राज्यवासियों की सेहत की परवाह कांग्रेस को नहीं थी। पूर्वोत्तर में कैंसर रोगियों की संख्या अधिक है।

शादी टूटने का खौफनाक बदला

एचआईवी पॉजिटिव युवक ने मंगेतर को इंजेक्ट किया अपना संक्रमित खून, पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद,एजेंसी। एक 24 वर्षीय व्यक्ति ने शादी रद होने के बाद कथित तौर पर 22 वर्षीय महिला को एचआइवी संक्रमित खून इंजेक्ट कर दिया। यह घटना 11 मार्च की है। आरोपित अचानक पीड़िता के घर पहुंचा और उसने जबरदस्ती उसे एचआइवी संक्रमित खून इंजेक्ट कर दिया।

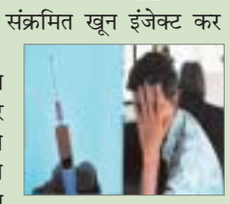

पुलिस के अनुसार, आरोपित और पीड़िता रिश्तेदार हैं। पीड़िता के माता-पिता ने पहले अपनी बेटी की शादी उससे तय की थी। चूंकि आरोपित के माता-पिता पहले से ही एचआइवी से संक्रमित थे, इसलिए महिला के माता-पिता ने पिछले साल सितंबर उसका भी एचआइवी जांच कराई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में एचआइवी पॉजिटिव पाए जाने के बाद महिला के पिता ने अपनी बेटी की शादी उससे न करने का निर्णय लिया। आरोपित ने यह सोचकर ऐसा किया कि महिला उससे शादी कर लेगी और हमेशा के लिए उसके साथ रहेगी। पुलिस ने बताया कि महिला के पिता की शिकायत के आधार पर पोचारम आइटी कारिडोर पुलिस स्टेशन में आरोपित के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच जारी है।

मायावती ने जयंती पर कांशीराम को किया याद, सपा के पीडीए को बताया छलावा

लखनऊ,एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' के हित कल्याण व उत्थान के लिए असली पार्टी है। जबकि सपा व अन्य विरोधी पार्टियों की कथनी और करनी में भारी अंतर है। ऐसी पार्टियों के छलवा और दिखावा से सावधानी बरतना जरूरी है। बसपा प्रमुख मायावती रविवार को माल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैम्प कार्यालय में कांशीराम के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के बाद वरिष्ठ नेताओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा।

राज्यसभा चुनाव- भाजपा ने ओडिशा से 82 विधायक पारादीप

कांग्रेस के 8 विधायक बेंगलुरु में रुके; राज्य की 4 सीटों पर आज वोटिंग

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा में 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने 82 विधायकों को पारादीप भेज दिया है। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, सांसद सुजीत कुमार और निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के समर्थन में रणनीति बनाने के लिए यह कदम उठाया है।

शनिवार शाम भुवनेश्वर स्थित भाजपा मुख्यालय में बैठक के बाद मंत्री और विधायक दो लग्जरी बसों से पारादीप के लिए रवाना हुए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक सभी विधायक पारादीप में दिलीप राय के होटल में ठहरेंगे।

इससे पहले कांग्रेस ने भी अपने आठ विधायकों को बेंगलुरु के वंडरला रिजॉर्ट भेजा था। ओडिशा की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिसमें भाजपा को दो और बीजेडी को एक सीट मिलने की संभावना है।

चौथी सीट के भाजपा और बीजेडी प्रत्याशी के बीच मुकाबला होगा।

ईरान बोला- अगर नेतन्याहू जिंदा है तो उसे ढूंढकर मारेंगे:वह मासूम बच्चों का हत्यारा

इजराइल ने नेतन्याहू की मौत की खबर को फर्जी बताया

तेहरान,एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि अगर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जिंदा हैं तो उन्हें ढूंढकर मारेंगे।

अल जजीरा के मुताबिक, (IRGC) ने कहा, 'बच्चों का हत्यारा अगर जीवित है, तो पूरी ताकत से उसका पीछा करेंगे और उसे मारेंगे।'

दरअसल, 13 मार्च को नेतन्याहू का एक वीडियो संदेश सामने आया था। इस वीडियो के एक फ्रेम में उनकी दाईं हाथ में छह

अंगुलियां दिखाई देने का दावा किया गया। इसके बाद कुछ यूजर्स ने वीडियो को एआई या डीपफेक बताया था। लोगों का कहना था कि, यह असली नेतन्याहू नहीं हैं।

इसके बाद दावा किया गया कि ईरान के हमले में नेतन्याहू की हत्या हो गई या वे जर्मनी भाग गए हैं।

ईरान बोला- सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीक

ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर: भाषा, समय और दबाव में फंसे अधिकारी:समय कम, फाइलें लाखों

राज्य के 550 और ओडिशा-झारखंड के 200 अधिकारी काम में जुटे

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में 'तार्किक विसंगतियों' की जांच के लिए विशेष सत्यापन प्रक्रिया (स्क्रुक) चल रही है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस प्रक्रिया में 60 लाख संदिग्ध दस्तावेजों की जांच होनी है, जिसका जिम्मा जिन न्यायिक अधिकारियों को दिया गया है, वे भारी दबाव में हैं।

प्रक्रिया में शामिल झारखंड से आए एक न्यायिक अधिकारी ने बताया- रोजाना कम से कम 300

मामलों का निपटारा करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल के 550 अधिकारियों के अलावा ओडिशा और झारखंड के करीब 200 अधिकारी लगे हैं। बांग्ला में कई जगह कुछ उपनाम (सरनेम) दो-दो तरीके से लिखे जाते हैं। इनमें बनर्जी या बंधोपाध्याय, मुखर्जी या मुखोपाध्याय और चटर्जी या चट्टोपाध्याय समेत दर्जनों उपनाम शामिल हैं।

अंग्रेजी में बनर्जी को अनुवाद के दौरान बांग्ला में बंधोपाध्याय करने के कारण वैसे नाम तार्किक विसंगति की श्रेणी में आ गए हैं लेकिन यह फर्क वही कर सकता है।

बड़ा सवाल: तय समय पर कैसे पूरी होगी दस्तावेजों की जांच?

चुनाव आयोग के सूत्रों ने भी माना है कि न्यायिक अधिकारी भारी दबाव में काम कर रहे हैं। अब भी करीब 48 लाख लोगों के दस्तावेजों की जांच होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नामांकन की आखिरी तारीख तक हुई जांच के आधार पर पूरक मतदाता सूची प्रकाशित हो सकती है।सीपीएम और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने भी आयोग के साथ बैठक में कहा कि किसी भी वैध वोटर का नाम सूची से नहीं हटना चाहिए, लेकिन तय समय पर प्रक्रिया कैसे पूरी हो पाएगी। चुनाव आयोग के एक अधिकारी बताते हैं कि दस्तावेजों को अपलोड करते समय शायद बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से भी गड़बड़ियां हुई हों। ऐसे मामलों की जांच की रही है।

शिमला शहर में संपत्ति कर में होगी बढ़ोतरी, ...तो जीडीपी के आधार पर फैसला लेगा नगर

निगम

शिमला, एजेंसी। राजधानी शिमला में संपत्ति कर में बढ़ोतरी की दर के लिए नगर निगम प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। शिमला में संपत्ति कर में कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका फैसला 20 मार्च को तय किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से बजट सत्र के दौरान आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा और इसके आधार पर हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आंकड़ा सामने आएगा। इसी जीडीपी के आधार पर नगर निगम शिमला में संपत्ति कर की दरों में बढ़ोतरी की प्रतिशतता तय की जाएगी। केंद्र सरकार के नियमों के तहत स्थानीय निकायों को आय बढ़ाने के लिए हर साल संपत्ति कर में संशोधन करना होता है। इसी प्रक्रिया के तहत शिमला में भी कर की दर में बढ़ोतरी की जानी है। राज्य सरकार की ओर से 20 मार्च को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है। इस सर्वेक्षण में पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य की आर्थिक स्थिति और जीडीपी की वृद्धि दर का पूरा ब्योरा होगा। जीडीपी में जितनी बढ़ोतरी होगी, उसी अनुपात में नगर निगम संपत्ति कर में बढ़ोतरी कर सकता है। अभी नगर निगम संपत्ति कर से लगभग 22 करोड़ रुपये की आय कर रहा है। केंद्र सरकार ने देश के सभी शहरी स्थानीय निकायों के लिए यह नियम लागू किया है कि वे अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए संपत्ति कर में नियमित बढ़ोतरी करें। केंद्र की कई योजनाओं और परियोजनाओं के लिए मिलने वाली वित्तीय सहायता भी इसी शर्त से जुड़ी होती है। नगर निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए संपत्ति कर में संशोधन नहीं करता है तो उसे केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं के तहत मिलने वाली फंडिंग में भी परेशानी आ सकती है।

संपत्ति कर आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत : नगर निगम शिमला के अधिकारियों का कहना है कि अब संपत्ति कर में हर साल बढ़ोतरी की व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य नगर निगम की आय बढ़ाना और शहर में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना है। नगर निगम शिमला को शहर में सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था, पानी की आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर काफी राशि खर्च करनी पड़ती है।

सवारी से 'लाइफस्टाइल' तक का सफर, वैश्विक बाजार में धाक जमाने के लिए लुधियाना के साइकिल उद्योग का नया ब्लूप्रिंट तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। 'पुर्जों से प्लेटफार्म तक विश्व बाजार के लिए पंजाब की अगली पीढ़ी की साइकिलें' विषय पर आयोजित 'साइकिल और ई-बाइक्स' सत्र में पंजाब के साइकिल उद्योग के विकास व विस्तार पर चर्चा हुई। एवन साइकिल के चेयरमैन और प्रबंधकीय निदेशक ओंकार सिंह पाहवा ने कहा कि पंजाब एक व्यवसाय अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है, जिससे उद्यमियों को अपने लक्ष्यों को साकार आसानी हो रही है। एमएसई के लिए विस्तारित स्व-प्रमाणीकरण और सिंगल-पाइंट रजिस्ट्रेशन जैसी प्रक्रिया प्रोजेक्ट को लगाने में तेजी लाएगी और निवेश को रोजगार, निर्यात तथा औद्योगिक उत्पादन में बदल देगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 4,000 से अधिक एमएसएमई निर्माता और 100 से अधिक मध्यम और बड़े साइकिल निर्माता प्रतिवर्ष लगभग 2.2 मिलियन साइकिलों का उत्पादन करते हैं, जिससे भारत दुनिया के सबसे बड़े साइकिल उत्पादक देशों में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास कंपोनेंट्स और कच्चे माल की बड़ी क्षमता है तथा विश्वस्तरीय टायर निर्माण क्षमता इस क्षेत्र को और मजबूती प्रदान करती है। रॉलसन इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पाहवा ने साइकिल उद्योग के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 1970 और 1980 के दशक में स्वदेशी तकनीक और सहायक ईकोसिस्टम ने टायर और ट्यूब निर्माण उद्योग के विकास को संभव बनाया।

पंजाब को ग्लोबल एसपोर्ट हब बनाने की तैयारी, CM मान ने की 125% ससिडी और तीन बड़े प्रदर्शनी केंद्रों की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि पंजाब सरकार राज्य में उद्योग और वाणिज्य को बड़ा प्रोत्साहन देने के लिए लुधियाना, न्यू चंडीगढ़ (मोहाली) और अमृतसर में तीन विश्व स्तरीय प्रदर्शनी केंद्र स्थापित करेगी। मोहाली में चल रहे प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन में विभिन्न सत्रों के दौरान उद्योगपतियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रतिभागियों की सराहना की कि उन्होंने पंजाब को प्रभावित करने वाले प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार नई दिल्ली के प्रगति मैदान की तर्ज पर लुधियाना, न्यू चंडीगढ़ और अमृतसर में तीन विश्व स्तरीय प्रदर्शनी केंद्र स्थापित करने जा रही है, ताकि उद्योग को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मजबूत मंच मिल सके। प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन एक सुव्यवस्थित मंच बन गया है, जहां निवेशक विचार साझा करने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर अवसरों की खोज कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे पंजाब और निवेशकों दोनों को लाभ होगा क्योंकि हम मिलकर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार राज्य की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पंजाब को पारंपरिक कृषि उत्पादन से मूल्यवर्धित निर्यात की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। पंजाब क्रांति की धरती है और पंजाबी नए विचारों को तेजी से अपनाते हैं। इसी कारण पंजाबियों ने दुनिया भर में हर क्षेत्र में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं और बड़ा नाम कमाया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य पंजाब की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को और मजबूत करना है क्योंकि राज्य में पारंपरिक कृषि से मूल्यवर्धित उत्पादों की ओर जाने की विशाल संभावना है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार अगले 50 वर्षों के आर्थिक विकास के लिए राज्य को तैयार कर रही है, जिसका स्पष्ट दृष्टिकोण पंजाब को वैश्विक निर्यात केंद्र में बदलना है।

देश के लिए पंजाबियों की कुर्बानियां 90 प्रतिशत से अधिक : उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले पचास वर्षों की जरूरतों के लिए पंजाब को तैयार करना है। हम पंजाब को प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं। मैं निवेशकों से अपील करता हूं कि वे पंजाब की तुलना देश के किसी अन्य राज्य से करें और वे देखेंगे कि पंजाब निवेश के लिए सबसे अनुकूल माहौल प्रदान करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हालांकि हमारी आबादी देश की कुल आबादी का केवल 2 प्रतिशत है, लेकिन देश के लिए पंजाबियों की कुर्बानियां 90 प्रतिशत से अधिक हैं।

पंजाब हमेशा से देश का अन्न भंडार : देश की खाद्य सुरक्षा में पंजाब के योगदान को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमेशा से देश का अन्न भंडार रहा है, जो लगभग 185 लाख मीट्रिक टन चावल और 125 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादित करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के इस योगदान के कारण ही राज्य को गर्व से देश का अन्नदाता कहा जाता है।

भूजल स्तर में 57 प्रतिशत तक सुधार

कृषि विविधीकरण के प्रोत्साहन देने वाले उदाहरणों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ क्षेत्रों में सब्जियों की खेती ने भूजल स्तर में सुधार किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सब्जियों की खेती से 0-4 मीटर की रेंज में भूजल स्तर में 57 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। यह दर्शाता है कि व्यावहारिक फसल विविधीकरण किसानों और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचा सकता है। उन्होंने निवेशकों और प्रतिनिधियों को पंजाब सरकार की निर्णय लेने वाली टीमों से सीधे अपने विचार साझा करने का निमंत्रण दिया और नाभा में किसान कैचप प्लांट की सफलता पर भी प्रकाश डाला।

पहले महाराष्ट्र से आता था टमाटर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब नाभा में किसान कैचप प्लांट पहली बार स्थापित किया गया था तो उस समय टमाटर महाराष्ट्र से मंगवाया जा रहा था।

इंदिरा गांधी के योग गुरु रहे धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम को चलाएगी हरियाणा सरकार, अधिकारी संभालेंगे कमान

चंडीगढ़, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के आध्यात्मिक और योग गुरु रहे दिवंगत धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम और अपर्णा संस्था को अब प्रदेश सरकार चलाएगी। न्यूनतम दो साल की सेवा वाले आईएएस या पांच साल की सेवा वाले एचसीएस अधिकारी को संस्था का प्रशासक बनाया जाएगा। इसके अलावा चार सदस्यीय समिति बनाई जाएगी, जिसमें न्यूनतम एक साल की सेवा वाले प्रथम श्रेणी और दो साल की सेवा वाले द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को सदस्य बनाया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने अपर्णा संस्था (प्रबंधन एवं नियंत्रण का अधिग्रहण) नियम-2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश सरकार पिछले साल नवंबर में अपर्णा संस्था (प्रबंधन एवं नियंत्रण का अधिग्रहण) अधिनियम- 2025 को लागू कर संस्था का टेकओवर कर चुकी है। आदेशों के मुताबिक संस्था को राष्ट्रीयकृत बैंक में एक अलग खाता खोलना होगा। अनुदान, उपहार और दान सहित सभी आय इसी खाते में जमा की जाएगी। इस धनराशि का उपयोग केवल संस्था के खर्चों के लिए ही किया जा सकेगा। अधिशेष धनराशि को राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा के रूप में रखा जा सकता है। गुरुग्राम के सेक्टर 30 के पास स्थित सिलोखरा और सुकराली गांव में आश्रम की 24 एकड़ से अधिक जमीन है, जिसका बाजार मूल्य 2400 करोड़ रुपये है। 1994 में विमान दुर्घटना में ब्रह्मचारी की मृत्यु के बाद आश्रम दो विरोधी गुटों में विभाजित हो गया। वर्ष 2020 में बड़ा विवाद हुआ जब 24 एकड़ जमीन की बिक्री का विलेख मात्र 55 करोड़ रुपये में रजिस्टर्ड कर दिया गया।

नोएडा फैक्ट्री आग: बेसमेंट में फिर भड़की लपटें, लापता कर्मी उपेंद्र का नहीं मिला सुराग

नोएडा, एजेंसी। फेज वन क्षेत्र के सेक्टर चार स्थित कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड नाम से संचालित बिजली मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में बृहस्पतिवार सुबह लगी आग शुक्रवार रात बुझ गई थी, लेकिन शनिवार सुबह बेसमेंट दो में फिर आग भड़क उठी। धुआं उठता देख अग्निशमन विभाग टीम ने फिर से आग बुझाना शुरू किया।

उधर, फैक्ट्री में काम करने वाले उपेंद्र नाम के कर्मी तीन दिन बाद भी पता नहीं चल सका। पुलिस खोजबीन कर रही है। फैक्ट्री परिसर के बेसमेंट दो शनिवार सुबह फिर धुआं निकलने लगा। अग्निशमन टीम ने रिवोल्विंग ब्रांच लगाकर पानी का छिड़काव शुरू कराया।

देर शाम तक पानी का छिड़काव कर आग बुझाने का काम जारी रहा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शनिवार को 10 गाड़ियों का प्रयोग कर आग बुझाने का काम जारी रहा।

बेसमेंट में केमिकल होने के कारण पूरी तरह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही है। उधर, हरौला में रहने वाले सरवन कुमार का कहना है कि उनका बेटा उपेंद्र का तीन दिन बाद भी घर नहीं लौटा है। उनका दावा है कि उपेंद्र बुधवार रात को फैक्ट्री में शिफ्ट करने आया था। वह जिला अस्पताल से लेकर कई प्राइवेट अस्पतालों में पता कर चुके हैं।

पुलिस और अग्निशमन अधिकारी आग बुझने तक का इंतजार करने की बात कहकर घर वापस भेज देते हैं। अग्निशमन और स्थानीय पुलिस ने शनिवार देर शाम तक फैक्ट्री परिसर से किसी भी कर्मी के मिलने से इनकार किया।

तेल में लगेगी आग?: खार्ग पर हमले के बाद पलटवार के मूड में ईरान, यूएई के तीन बंदरगाहों पर हमले की कर रहा तैयारी

तेहरान,एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच हालात लगातार तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कुछ बड़े बंदरगाहों के पास धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई। इसी बीच ईरान ने यूएई के लोगों को दुबई, अबू धाबी और फुजैराह के बड़े बंदरगाहों के आसपास के इलाकों को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी है। दरअसल, यह चेतावनी उस समय आई जब अमेरिका ने ईरान के खार्ग द्वीप स्थित तेल केंद्र पर हमला किया। खार्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है और यहां से देश के लगभग 90 प्रतिशत कच्चे तेल का निर्यात होता है। ईरान की समाचार एजेंसी तसनीम ने लोगों से दुबई के जेबेल अली पोर्ट, अबू धाबी के खलीफा पोर्ट और फुजैराह पोर्ट के आसपास से दूर रहने को कहा। एजेंसी के अनुसार इन इलाकों में अमेरिकी सैन्य बल मौजूद हैं और इसलिए ये स्थान वैध सैन्य लक्ष्य बन सकते हैं।

आईआरजीसी ने भी यूएई को दिया कड़ा संदेश : ईरान की इस चेतावनी के बाद उसकी सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी यूएई के नेतृत्व को कड़ा संदेश दिया। संगठन के प्रवक्ता इब्राहिम जोलफाघरी ने कहा कि अगर यूएई के शहरों के अंदर अमेरिकी सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया जाएगा, तो वहां के बंदरगाह और सैन्य सुविधाएं ईरान के निशाने पर हो सकती हैं। इस बीच यूएई प्रशासन ने बताया कि एक ड्रोन को मार गिराया गया था और उसके मलबे के कारण आग लग गई। फुजैराह क्षेत्र में दिखाई दिया धुआं इसी घटना से जुड़ा माना जा रहा है। फुजैराह का इलाका तेल भंडारण और व्यापार का बड़ा केंद्र है और यहां महत्वपूर्ण निर्यात टर्मिनल भी स्थित है।

यूएई विदेश मंत्रालय ने हमलों की निंदा की : इस बीच यूएई के विदेश मंत्रालय ने भी क्षेत्र में हो रहे हमलों की निंदा की है और कहा है कि जब तक हमले जारी रहेंगे, तब तक किसी भी तरह की मध्यस्थता या शांति वार्ता संभव नहीं है। कुल मिलाकर, अमेरिका-ईरान टकराव के कारण पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है ।

हरदोई में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, चार बदमाश गिरफ्तार

हरदोई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हरदोई में शनिवार को पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई, जिसमें पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से मोबाइल, 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 25 फरवरी को सर्वेश अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह से वापस आ रहा था। इसी दौरान टिकरा गांव के पास कार सवार बदमाशों ने उन्हें रोका और डरा-धमकाकर नकदी, मोबाइल और पत्नी के जेवर लूट लिए थे। पुलिस काफी दिनों से इनकी तलाश कर रही थी, लेकिन ये लोग लगातार अपना स्थान बदल रहे थे।

तेल अवीव के पास गिरा ईरानी मिसाइल का मलबा

तेल अवीव ,एजेंसी । लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने कहा है कि उसने इस्राइल के सैनिकों पर रॉकेट और तोपखाने से हमला किया। रॉकेट हमला कैल्फ हिल साइट पर किया गया, जो कफर युवाल बस्ती के उत्तर में स्थित है। वहीं, जिबिया प्वाइंट पर, जो लेबनान के मेइस एल-जबल शहर के सामने है, सैनिकों को निशाना बनाकर तोप से भी हमला किया गया।

हिजबुल्ला के मुताबिक, ये हमले आज सुबह किए गए उनके चौथे हमले हैं। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (द्धत्रऋष्ट) ने दावा किया है कि उसने इस्राइल और इराक तथा कुवैत में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। द्धत्रऋष्ट ने एक बयान में कहा कि इज़राइल में एम्बुलेंस की लगातार आवाज़ें और अधिकारियों द्वारा बढ़ते मृतकों और घायल लोगों की संख्या के खुलासे यह दिखाते हैं कि उनके भारी मिसाइल हमलों का प्रभाव उद्योगिक क्षेत्रों में गहरा पड़ा है।

इस बयान में कहा गया कि टेल अवीव के औद्योगिक क्षेत्रों में भारी मिसाइल हमलों से गंभीर नुकसान हुआ। साथ ही द्धत्रऋष्ट ने कहा कि इराक के एरबिल में हरिर एयरबेस और कुवैत में अमेरिकी सैनिकों के ठिकाने अली अल सलेम और अरिफजान बेस को भी शक्तिशाली ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से नष्ट कर दिया गया। ईरान का कहना है कि ये हमले अमेरिकी और इज़राइली सैन्य ठिकानों पर किए गए हैं, और उनका मकसद क्षेत्र में अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करना है।

इराक की न्याय मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि बगदाद इंटरनेशनल जेल और सेंट्रल एयरपोर्ट जेल के आसपास के क्षेत्र हाल के दिनों में लगातार हमलों का सामना कर रहे हैं। इराक की समाचार एजेंसी के हवाले से मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद लैबी ने बताया कि कुछ हमले जेल के बहुत ही करीब हुए हैं। उन्होंने कहा शनिवार को सबसे गंभीर हमले हुए, शाम 6 बजे (15:00 तरूञ्ज) से अब तक छह बार हमले किए गए, जिनमें कुछ हमले जेल के नजदीक हुए, जो उच्च-जोखिम वाले आतंकवादी कैदियों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता पैदा करते हैं।

लैबी ने यह भी कहा कि जेल के आसपास परियोजनाओं और प्रक्षेप्य गिरने से सुरक्षा उपायों और ढांचे की सुरक्षा पर असर पड़ने का खतरा बना हुआ है। यह हमारे सुरक्षा और बचाव योजनाओं के लिए चिंता का विषय है। हाल के हमलों ने जेल और हवाई अड्डे के आसपास सुरक्षा की स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है और इराक सरकार ने क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया है।

लेबनान सीमा के पास इस्राइल सैनिकों पर हिजबुल्ला का मिसाइल हमला : लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसने लेबनान-इस्राइल सीमा के पास तैनात इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाते हुए मिसाइलों की बौछार की। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्ला ने एक बयान जारी कर कहा कि हमला अल-अदीसा कस्बे के खल्लात अल-महाफिर इलाके में इस्राइली सेना के सैनिकों की एकत्रित टुकड़ी पर किया गया। संगठन का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य सीमा पर मौजूद इस्राइली सैन्य बलों को निशाना बनाना था। हालांकि इस हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

तेल अवीव के पास गिरा ईरानी मिसाइल का मलबा : इस्राइल के मध्य क्षेत्र में ईरानी मिसाइलों के टुकड़े तेल अवीव के पास स्थित शहरों में गिर गए, जबकि इस्राइली एयर डिफेंस सिस्टम ने इन मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया। चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, मिसाइलों के मलबे लोड और नेस ज़ियोना शहरों में गिरे। एयर रॉकेट हमलों की चेतावनी की वजह से मध्य और दक्षिण इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बजाए गए, जबकि इंटरसेप्शन प्रयासों के दौरान विस्फोटों की आवाजें भी सुनाई दीं।

बहरीन में इरानी हमलों पर झूठी खबरें फैलाने वाले 6 लोग गिरफ्तार : बहरीन की आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि इरानी हमलों से जुड़ी वीडियो पोस्ट करने और झूठी जानकारी फैलाने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा छह लोगों को गिरफ्तार कर सार्वजनिक अभियोजन के पास भेजा गया है। ये लोग इरानी आक्रमण के प्रभावों पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे, इसके शत्रुतापूर्ण कृत्यों की प्रशंसा कर रहे थे और झूठी खबरें फैला रहे थे। तेहरान के गवर्नर-जनरल मोहम्मद सादेघ मोतामेडियन ने कहा कि अमेरिका-इस्राइल के हमलों के कारण कम से कम 10,000 आवासीय घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

'होर्मुज जलडमरूमध्य सिर्फ हमारे दुश्मनों के जहाजों के लिए बंद

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और यह रणनीतिक मार्ग सिर्फ अमेरिका और इस्राइल के जहाजों के लिए बंद है ईरानी विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की प्रमुख शक्तियों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने नौसैनिक जहाज तैनात करने की अपील की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी हाल में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को खुला रखेगा।

अराघची ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'होर्मुज जलडमरू खुला है। यह केवल हमारे दुश्मनों, अमेरिका और उसके सहयोगियों के टैंकरों और जहाजों के लिए बंद है। बाकी सभी के लिए आवागमन पर कोई रोक नहीं है।' होर्मुज में ईरानी नाकेबंदी को लेकर किए गए सवाल पर अराघची ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के चलते ये नाकेबंदी की गई है। रूस और चीन को लेकर अराघची ने कहा, 'रूस और चीन हमारे रणनीतिक साझेदार हैं। अतीत में हमारा घनिष्ठ सहयोग रहा है, जो अभी भी जारी है। इसमें सैन्य सहयोग भी शामिल है।' ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया है कि दुनिया में तेल ले जाने का एक बहुत महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता होर्मुज स्ट्रेट अभी भी खुला है और उस पर ईरान का नियंत्रण बना हुआ है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका द्वारा किए जा रहे दावे सही नहीं हैं। अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की नौसेना को नष्ट कर दिया है और तेल के जहाजों को सुरक्षित रास्ता दे सकता है, लेकिन ये बातें गलत हैं।

स्कूल चले हम अभियान की हुई समीक्षा, 31 मार्च तक विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें - डीईओ

एक अप्रैल से शुरू होगा नया शैक्षणिक सत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में जिले के सभी हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने की बैठक में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों तथा विद्यार्थियों के प्रवेश से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि नया शैक्षणिक सत्र 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा इसके लिए विद्यालयों में आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए साथ ही 01 अप्रैल को प्रवेशोत्सव आयोजित करने तथा 02 अप्रैल को एसएमडीसी की बैठक आयोजित करने के निर्देश भी प्राचार्यों को दिए गए जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यालयों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए इसके लिए जिला, विकासखंड और स्थानीय स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। शिक्षकों को अभिभावकों से संपर्क स्थापित कर शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए बैठक में विद्यालयों की साज-सज्जा, शिक्षकीय स्टाफ की बैठक, पाठ्यपुस्तकों का समय पर वितरण, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति,ब्रिज कोर्स के संचालन, सीसीएलई गतिविधियों, विद्यालय समय-सारणी तथा अन्य अकादमिक गतिविधियों के आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देश भी दिए गए।

विंध्य में हाथियों का आतंक, घर तोड़े-फसल रौंदी, गांवों में ब्लैकआउट का महौल,घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां रह रहे लोग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। विंध्य क्षेत्र में हाथियों के बढ़ते मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है हाथियों का झुंड कई गांवों में घरों को नुकसान पहुंचाने के साथ फसलों को भी रौंद चुका है हालात ऐसे हैं कि कई बस्तियां सूनी हो गई हैं लोग डर के कारण घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं पिछले दो सप्ताह से हाथियों का यह झुंड सीधी मऊगंज और रीवा जिले के छुहिया घाटी, गुढ़ और गोविंदगढ़ के जंगलों व गांवों के बीच लगातार घूम रहा है वन विभाग की टीम निगरानी में जुटी है लेकिन हाथियों के लगातार मूवमेंट से ग्रामीण क्षेत्रों में खतरा बना हुआ है पड़ताल में सामने आया है कि विंध्य क्षेत्र में हाथियों से सबसे ज्यादा नुकसान सीधी जिले में हुआ है यहां कई गांवों में हाथियों का झुंड रात के समय बस्तियों में घुस गया और भारी तबाही मचा दी हाथियों ने कई जगह कच्चे मकानों की दीवारें और दरवाजे तोड़ दिए घरों में रखा धान और अन्य अनाज या तो खा गए या इधर-उधर बिखेर दिया वहीं खेतों में लगी गेहूं और धान की फसल को भी रौंद दिया हाथियों के डर से ग्रामीणों को अब रातभर जागकर पहरा देना पड़ रहा है

पड़खुरी गांव में हाथियों के डर से खाली हुई बस्ती: पड़खुरी गांव की एक पूरी कच्ची बस्ती को डर के कारण खाली करना पड़ा ग्रामीण अपने घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां पनाह लेने को मजबूर हो गए हैं ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में हाथियों का झुंड लगातार घूम रहा है जिससे जान-माल का खतरा बना हुआ ह रात होते ही लोगों का डर और बढ़ जाता है इसी वजह से कई परिवार अपने छोटे बच्चों और बुजुर्गों को लेकर सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं है। ग्रामीणों का कहना है जिले के बाद अब हाथियों का झुंड आगे बढ़कर मऊगंज जिले के कई गांवों तक पहुंच गया है यहां भी हाथियों ने कई गांवों में घरों को नुकसान पहुंचाया है घरों में रखा अनाज और खाद्यान्न भंडार नष्ट कर दिया वहीं खेतों में लगी फसलों को भी कुचल डाला हाथियों के डर से ग्रामीण रातभर जागकर ढोल-नगाड़े बजा रहे हैं और मशाल जलाकर उन्हें भगाने की कोशिश कर रहे हैं इधर वन विभाग की टीमें लगातार हाथियों की लोकेशन ट्रैक कर रही हैं और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दे रही है।

महिला मोबिलाइजर के सुसाइड मामले में आरोपी गिरफ्तार

आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप; पति बोला पहले भी करता था परेशान

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मोबिलाइजर के सुसाइड मामले में शाम पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है शख्स पर महिला को सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप है मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र के केशवाही में ग्राम पंचायत बलबहरा का है पुलिस मामले की जांच कर रही थी और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की है मृतिका मोबिलाइजर के पद पर कार्यरत थी।

महिला पंखे से लटकर सुसाइड कर ली थी: पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 11 मार्च को हुई थी ग्राम पंचायत भवन बलबहरा में मोबिलाइजर सुनैना कुशवाहा (30) पत्नी सुरेंद्र कुशवाहा ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, शव पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों व अन्य साक्षियों के बयान दर्ज किए।

महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था: जांच के दौरान सामने आया कि गांव का निवासी मुरारीलाल सोनी उर्फ मुरारी (33) पिता अशोक कुमार सोनी पिछले सात-आठ महीनों से सुनैना को लगातार परेशान कर रहा था आरोपी महिला को अपने साथ रखने की बात कहकर बदनाम करता था और अक्सर गाली-गलौज भी करता था वह फोन पर भी महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था पुलिस के अनुसार, इस लगातार प्रताड़ना के कारण महिला गंभीर मानसिक तनाव में थी। इसी उत्पीड़न से तंग आकर सुनैना ने 11 मार्च को ग्राम पंचायत भवन में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

आरोपी के खिलाफ धारा 306 में मामला दर्ज: विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने (धारा 306) का मामला दर्ज किया उसे शनिवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया है पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है इस बीच, मृतिका सुनैना के पति सुरेंद्र कुशवाहा ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि 2025 में भी आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि वह उनकी पत्नी को परेशान करता है लेकिन पुलिस ने कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की। पति का कहना है कि इसी लापरवाही के कारण उनकी पत्नी आज जीवित नहीं है।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का आयोजन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विन्ध्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद अध्यक्ष हरीश मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी प्रियल सिंह ने की कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को उपभोक्ताओं के अधिकारों एवं दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई मुख्य अतिथि हरीश मिश्रा तथा अध्यक्ष प्रियल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सतर्क रहना चाहिए उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए लोगों से किसी भी प्रकार की अनियमितता होने पर संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज कराने की अपील की। इस अवसर पर खाद्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, निरीक्षक नापतौल, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन सीधी के प्रबंधक सहित जिले के कई जागरूक नागरिक उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान, शिव मंदिर परिसर की की सफाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी रीवा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत इटौरा ग्राम पंचायत में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ 15 मार्च को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत सरपंच भास्कर दत्त साहू तथा महाविद्यालय के संचालक पुष्पेंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया शिविर के पहले दिन स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया अभियान के तहत पंचायत भवन के पीछे स्थित शिव मंदिर परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों और ग्रामीणों ने मिलकर मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के संचालक पुष्पेंद्र त्रिपाठी, ऋषि मिश्रा, कार्यक्रम प्रभारी सतेंद्र सिंह अनिशा शर्मा सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा अतिथियों ने स्वयंसेवकों के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने का संकल्प भी लिया।

विभिन्न मुद्दों को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन, बैजू धर्मशाला से निकलेगी रैली

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) द्वारा विभिन्न छात्र और जनहित के मुद्दों को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह कार्यक्रम एनएसयूआई रीवा के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम के तहत एनएसयूआई कार्यकर्ता आज दोपहर 12 बजे बैजू धर्मशाला, जयस्तंभ चौक पर एकत्रित होंगे यहां छात्रों और युवाओं को संबोधित करने के बाद कार्यकर्ता रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर कूच करेंगे और वहां प्रदर्शन करते हुए घेराव करेंगे एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन शिक्षा संस्थानों में बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कई स्थानों पर अनियमितताएं सामने आ रही हैं जिससे आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी लगातार सामने आ रही हैं इन मुद्दों को लेकर छात्रों और युवाओं में आक्रोश है जिसके चलते एनएसयूआई द्वारा यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है पंकज उपाध्याय के अनुसार कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और युवा शामिल होंगे।

अफवाह बनी पावर प्लांट में तोड़फोड़-आगजनी की वजह

हार्ट अटैक से हुई थी मजदूर की मौत, साथियों को लगा हादसे में गई जान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। अडाणी पावर प्लांट में शनिवार को हुआ हंगामा एक अफवाह का नतीजा था। दरअसल यहां झारखंड के रहने वाले मजदूर लल्लन सिंह की मौत हार्ट अटैक से हो गई थी कर्मचारियों को लगा कि काम के दौरान हुई दुर्घटना में लल्लन की जान गई है कंपनी प्रबंधन मामला छिपा रहा है इसी अंदेशे में मजदूर भड़क गए 10 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी 25 से ज्यादा एयर कंडीशनर तोड़ दिए और ऑफिस में आगजनी कर दी प्लांट में पांच घंटे तक अफरातफरी मची रही। एसडीएम, तहसीलदार, एडिशनल एसपी समेत 200 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला तब जाकर हालात काबू में आ सके फिलहाल प्लांट में हालात सामान्य हैं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है 400 से ज्यादा मजदूर सामान लेकर अपने-अपने घर चले गए हैं। पुलिस के मुताबिक फिलहाल किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है वीडियोग्राफी के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी ामला प्लांट में काम करने वाले मजदूर लल्लन सिंह की मौत से शुरू हुआ था लल्लन मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था। वह एक कमरे में सहकर्मी कमलेश के साथ रहता था कमलेश ने कहा- शुक्रवार रात तकरीबन 11 बजे लल्लन की तबीयत बिगड़ गई उसने कहा कि गले में कुछ फंस रहा है सांस नहीं ले पा रहा हूं। मुझे लगा कि शायद सर्दी के कारण ऐसा हो रहा होगा मैंने उसे खाने के लिए अदरक दिया वह अदरक का टुकड़ा भी नहीं चूस पाया इसके बाद उसने अपने सीने को हाथों से पीटना शुरू कर दिया एंबुलेंस की मदद से उसे बैढ़न लेकर आए यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया रात में ही शव ट्रॉमा सेंटर में रखवा दिया गया कमलेश ने बताया- अगले दिन यानी शनिवार सुबह 7 बजे कंपनी में पहली शिफ्ट शुरू हुई इसी दौरान अफवाह फैल गई कि काम करते हुए ऊंचाई से गिरने की वजह से लल्लन की मौत हो गई है कंपनी प्रबंधन ने मामले को दबाने के लिए लाश छिपा दी है इसी के बाद मजदूरों में आक्रोश फैल गया। एसडीएम नंदन तिवारी ने कहा- मजदूरों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ कर डाली एक ऑफिस में आग लगा दी शॉर्ट पोस्टमॉर्टम में ये साफ हो गया कि लल्लन की मौत हार्ट अटैक से हुई है करीब 5 घंटे बाद अफसरों की समझाइश के बाद मामला शांत हो सका।

उत्कृष्ट विद्यालय में नीट एवं जेईई की नि:शुल्क कोचिंग 10 मार्च से प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में नीट एवं जेईई की नि:शुल्क कोचिंग कक्षाएं 10 मार्च 2026 से प्रारंभ कर दी गई हैं इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें यह विशेष पहल रीवा संभाग के आयुक्त बी.एस. जामोद के निर्देशन तथा सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। इसके साथ ही संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग नीरव दीक्षित के आदेशानुसार तथा जिला शिक्षा अधिकारी सीधी पवन कुमार सिंहके नेतृत्व में इस नि:शुल्क कोचिंग व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि जिले के अनेक विद्यार्थी मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं लेकिन उन्हें गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और मार्गदर्शन की कमी का सामना करना पड़ता है इसी को ध्यान में रखते हुए शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में यह नि:शुल्क कोचिंग कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है जिससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उचित वातावरण और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सके। इस कोचिंग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के प्राचार्य शम्भूनाथ त्रिपाठी को बनाया गया है उनके निर्देशन में कोचिंग कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है यहां विद्यार्थियों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों की तैयारी विषय विशेषज्ञों द्वारा कराई जा रही है साथ ही समय-समय पर मॉक टेस्ट, अभ्यास प्रश्न पत्र और विशेष मार्गदर्शन सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं ताकि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रारूप और कठिनाई स्तर की बेहतर समझ मिल सके। कार्यक्रम की सतत मॉनिटरिंग एडीपीसी ओशो उत्सव तथा एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र द्वारा की जा रही है। वे समय-समय पर कक्षाओं का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति और अध्ययन की प्रगति का आकलन कर रहे हैं, जिससे कोचिंग की गुणवत्ता बनाए रखी जा सके। नि:शुल्क कोचिंग की इस पहल से विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है बड़ी संख्या में विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेकर विशेषज्ञ शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं।

आईडीबीआई बैंक ने सीएसआर के तहत स्वास्थ्य केंद्र को दी मेडिकल सामग्री,ईसीजी मशीन, बीपी मॉनिटर सहित अन्य उपकरण किए प्रदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आईडीबीआई बैंक द्वारा अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया को आवश्यक एवं उपयोगी मेडिकल सामग्री प्रदान की गई आईडीबीआई बैंक सीधी शाखा द्वारा लगभग तीन लाख रुपये की लागत से 12 चौनल वाली ईसीजी मशीन, मल्टीपैरा बीपी मॉनिटर, तीन व्हीलचेयर तथा पांच हॉस्पिटल बेड मैट्रेस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया को प्रदान किए गए ये उपकरण स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के उपचार एवं सुविधाओं को बेहतर बनाने में सहायक होंगे आईडीबीआई बैंक सीधी के शाखा प्रमुख अनुराग किशोर पाण्डेय ने बताया कि बैंक द्वारा (हेल्थकेयर आउटरीच प्रोग्राम फॉर एवरीवन) अभियान के तहत यह पहल की गई है उन्होंने बताया कि इस अभियान की मूल भावना ठनपसकपदह ध्वचमे, भ्मंसपदह स्पअमे अर्थात आशाओं का निर्माण, जीवन को स्वस्थ बनाना है। उन्होंने कहा कि बैंक अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है आईडीबीआई बैंक शाखा द्वारा पूर्व में भी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न सीएसआर गतिविधियां संचालित की जा चुकी हैं इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी नागेन्द्र दुबे, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया के सीबीएमओ डॉ. शिवेंद्र पटेल अन्य स्वास्थ्यकर्मी तथा क्षेत्र के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

परिवहन मित्र हिमाचल

संपादकीय

टैक्सी सेवाओं में सुधार की दृष्टि से शिमला-चंडीगढ़ प्रीपेड टैक्सी सुविधा से एक साथ कई संकेत सामने आए हैं। परिवहन मित्र के रूप में यह सेवा कई मायनों में सैलानियों को विश्वस्त करेगी। शिमला के भीतर 26 स्थानों, चंडीगढ़ हवाई अड्डा व शहर के लिए इस सेवा का संचालन आने वाले समय में और भी बदलाव कर सकता है। जाहिर है शिमला से शुरू हुई प्रीपेड टैक्सी आने वाले समय में अन्य पर्यटक स्थलों में विस्तारित होगी। खास बात यह है कि इसकी मॉनीटरिंग में पुलिस विभाग के पास समस्त जानकारियां तथा इनपुट होंगे। एक सुरक्षित व प्रमाणित टैक्सी सेवा के मायनों में हिमाचल की यह पहल प्रशंसनीय है। पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल को परिवहन मित्र साबित होने की जरूरत है। बेशक निजी क्षेत्र का परिवहन के क्षेत्र में दखल बढ़ा है, फिर भी सरकार का दायित्व है कि इनका संचालन एक तरफा लूट का सबब न बने। प्राइवेट वोल्वो तथा टैक्सी आपरेशन ऐसी अनिवार्य सेवाएं बन चुकी हैं कि हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र की इनके ऊपर निर्भरता बढ़ रही है। प्रदेश में कई वोल्वो सेवाओं ने एचआरटीसी के मुकाबले अपने ब्रांड मजबूत किए हैं, जिसके कारण दिल्ली से हिमाचल अब पूरी तरह निजी क्षेत्र के कब्जे में है। ऐसे में एचआरटीसी को अपनी ब्रांड वैल्यू को पर्यटन उद्योग के साथ जोडऩा होगा। एचआरटीसी और पर्यटन निगम के साथ पैकेज टूअर की शैली में संगठित हों, तो स्थितियां बदल सकती हैं। हिमाचल आते पर्यटक की पहली पसंद एचआरटीसी बन सकती है, बशर्ते निगम अन्य राज्यों के साथ तालमेल बढ़ाए। जयपुर, श्रीनगर, दिल्ली, मसूरी-देहरादून, नैनीताल, जम्मू-कश्मीर, कुरुक्षेत्र, अमृतसर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना व जालंधर-होशियारपुर जैसे शहरों से एचआरटीसी को पैकेज सेवा के तहत सरकारी एवं प्राइवेट होटलों से तालमेल बनाना चाहिए। हिमाचल को दिल्ली व चंडीगढ़ में पर्यटक बस स्टैंड एवं बस डिपो बन कर पूरे प्रदेश का पर्यटन मानचित्र सशक्त करना होगा। प्रदेश के भीतर पर्यटक बस सेवाओं का संचालन करें, तो तीनों एयरपोर्ट से पर्यटक स्थलों तक परिवहन सुविधा आसान होगी।

मशीनी सांसें और मानवीय गरिमा : जीवन-मृत्यु के बीच का नैतिक धर्मसंकट

दिलीप कुमार पाठक

जीवन की परिभाषा केवल धड़कनों के चलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें चेतना और मानवीय गरिमा का होना अनिवार्य है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरीश राणा के मामले में पैसिव यूथेनेशिया यानि निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति देना, कानून के शुष्क पन्नों से निकलकर मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर लिया गया एक अत्यंत साहसी और ऐतिहासिक फैसला है। पिछले 13 वर्षों से कोमा में पड़े हरीश का मामला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम विज्ञान के सहारे किसी व्यक्ति को जीवित रख रहे हैं या उसे मरने की अनुमति न देकर उसकी गरिमा का अपमान कर रहे हैं? इस पूरी बहस के केंद्र में माइंड डेड की वह भयावह स्थिति है, जिसे समझना आज के दौर में हर किसी के लिए अनिवार्य हो गया है। चिकित्सा विज्ञान स्पष्ट करता है कि जब मस्तिष्क का वह हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो जाता है जो चेतना और श्वसन को नियंत्रित करता है, तो व्यक्ति केवल एक भौतिक शरीर रह जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज न तो स्पर्श महसूस कर सकता है, न कोई आवाज़ सुन सकता है और न ही किसी प्रकार के दर्द का अनुभव कर सकता है। वह केवल वेंटिलेटर और लाइफ सपोर्ट की मशीनी आवाज़ों के बीच एक कृत्रिम श्वसन प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह जाता है, जिसे जीवन कहना शायद जीवन शब्द का अपमान होगा।

संवेदनाओं और वैज्ञानिक सीमाओं का ऐसा ही एक दौर हाल ही में तब देखने को मिला, जब मेरे एक परिचित परिवार में अत्यंत दुखद घटना घटी। एक महिला अपने कमरे में अचानक संतुलन खोकर गिर गईं और बेड के कोने से सिर के पिछले हिस्से में लगी गहरी चोट ने उनके मस्तिष्क को सदा के लिए शांत कर दिया। दो दिनों तक वह अस्पताल में सघन चिकित्सा और भारी-भरकम मशीनों के सहारे सांसें लेती रहीं, लेकिन डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने परीक्षणों के बाद स्पष्ट कर दिया कि वह माइंड डेड हैं। ऐसी घड़ी में परिवार के सामने खड़ा धर्मसंकट किसी पहाड़ जैसा था। एक तरफ अपनों को खोने का असहनीय गम था, तो दूसरी तरफ मशीनों में जकड़ा हुआ वह बेजान शरीर। अंततः, डॉक्टरों की स्पष्ट राय और परिजनों की आपसी सहमति से लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने का वह अत्यंत कठिन और हृदयविदारक निर्णय लिया गया। यह फैसला किसी की जान लेने का प्रयास नहीं था, बल्कि उस महिला को एक यंत्रवत और कष्टकारी जीवन से आज़ाद करने की सर्वोच्च करुणा थी। यह उस आत्मा के प्रति सम्मान था, जिसे प्रकृति ने पहले ही बुला लिया था, पर विज्ञान ने मशीनों की बेड़ियों में बाँध रखा था।

सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना तर्कसंगत है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु भी जीने के अधिकार का ही एक अनिवार्य विस्तार है। जब चिकित्सा विज्ञान के तमाम प्रयास विफल हो जाएं और सुधार की कोई न्यूनतम गुंजाइश न बचे, तो मशीनों के प्लग के जरिए किसी की धड़कनों को जबरन खींचना उस व्यक्ति की गरिमा के विरुद्ध है। एक बेड पर सालों तक निर्जीव शरीर की सेवा करना न केवल आर्थिक रूप से परिवार को खोखला कर देता है, बल्कि मानसिक रूप से भी घर के बाकी सदस्यों के जीवन को खंडित कर देता है।

भारत में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु के लिए बनाए गए कड़े नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि इस कानूनी प्रावधान का कभी कोई दुरुपयोग न हो। एक मेडिकल बोर्ड की निगरानी और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद ही ऐसा कदम उठाया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि मरीज अब वापस नहीं लौट सकता। पैसिव यूथेनेशिया का वास्तविक उद्देश्य किसी के जीवन को समय से पूर्व समाप्त करना नहीं है, बल्कि मृत्यु के स्वाभाविक और प्राकृतिक मार्ग में बाधा बनी कृत्रिम दीवारों को हटा देना है। अक्सर समाज में यह तर्क दिया जाता है कि चमत्कार कभी भी हो सकते हैं, लेकिन माइंड डेड की स्थिति में विज्ञान के पास भी कोई उत्तर नहीं होता।

यूं तो देश की अदालतें हर साल तकरीबन सौ से अधिक मुलजिमों को फांसी की सजा सुनाती हैं तब न्याय की कुर्सी पर बैठे किसी जज को कोई ग्लानि या अफसोस नहीं होता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसा फैसला दिया जिसे लिखते हुए उनकी आंखें सजल हो गईं क्यों कि यह फैसला एक जीवन से जंग लड़ रहे इंसान को कष्ट मुक्ति के लिए मौत की ओर सहयोग करने का है।

विकल्पहीन मजबूरी है ईच्छा मृत्यु से जीवन के अंत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल

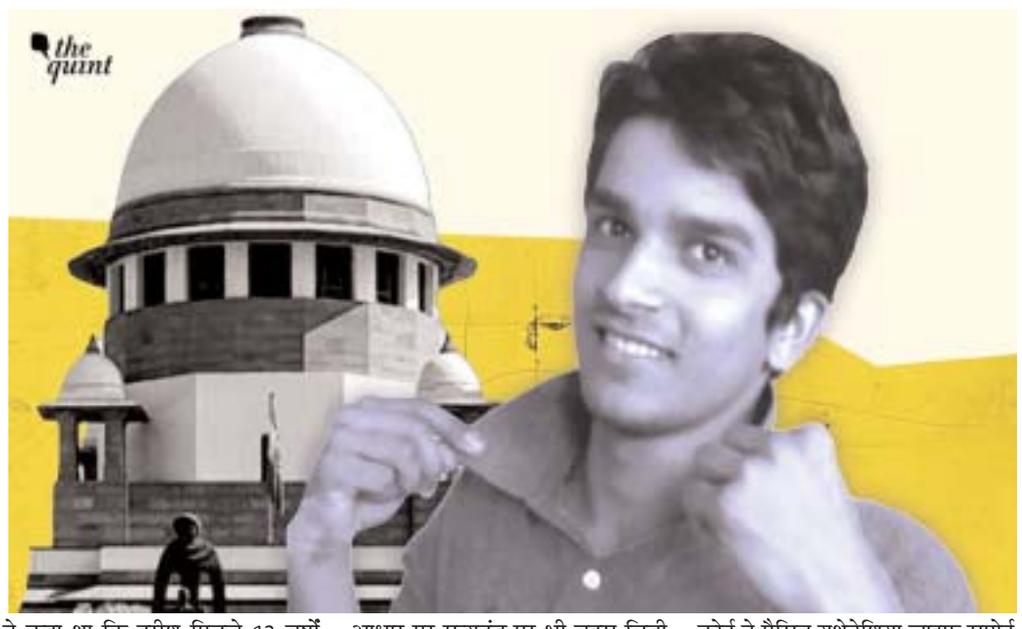

आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जब एक इंसान का जीवन इतना कष्ट मय और लाइलाज हो जाए कि मौजूदा तमाम मेडिकल उपचार अनुपयोगी हो जाए और क्षण क्षण तड़प रही जिंदगी को कष्ट से बचाने का कोई उपाय न रहे तब जीवन से मुक्ति के लिए मौत ही एक मात्र विकल्प रह जाता है मौजूदा घटनाक्रम के अनुसार 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्टर्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं। बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी राइट टू डाई विद डिग्निटी जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया लाइफ सपोर्ट हटाना को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया। हालांकि 42 वर्ष तक कोमा में रहने का कष्ट उन्होंने सहा है।

इस मामले ने भारत में गरिमापूर्ण मृत्यु से संबद्ध कानून की एक नई पहल हुई है अरुणा शानबाग मामले के बाद इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून की जरूरत महसूस की जाने लगी। इसी मुद्दे को लेकर कॉमन कॉज़ नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 9 मार्च 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2018) सुप्रीम कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। इसके अलावा अदालत ने लिविंग विल का अधिकार दिया। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखकर यह तय कर सकता है कि अगर वह भविष्य में ऐसी स्थिति में पहुंच जाए जहां वह खुद निर्णय लेने की स्थिति में न हो, तो उसे कृत्रिम लाइफ सपोर्ट पर न रखा जाए। हालांकि, कॉमन कॉज़ मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु कब लागू की जा सकती है, इस पर दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से निर्धारित और स्पष्ट नहीं किया जा सका।

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर यों नहीं बने?

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया? सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों—जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों—में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है।

सौरभ वार्ष्णेय

आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढऩे या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है।

घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोडऩा जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।इसके अलावा सरकार को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। च्लोकल फॉर वोकलज्ज् जैसी पहल तभी सफल होगी जब उपभोक्ता भी स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।घरेलू उत्पादन बढ़ाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योग, किसान और उपभोक्ता-सभी की साझा भागीदारी से ही यह संभव है। यदि सही नीतियों और जनसहयोग के साथ प्रयास किए जाएँ, तो भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूत स्थान बना पाएगा।

बलरामपुर में अफीम की अवैध खेती की उपज

कलेक्टर ने निगरानी के दिए निर्देश,पटवारी-पंचायत सचिवों को खेतों में जाकर फसलों की पहचान करने की दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बलरामपुर जिले में अफीम की अवैध खेती करने का मामला सामने आने के बाद अब बिलासपुर में भी प्रशासन अलर्ट है शासन के निर्देश पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में अफीम और अन्य नशीले पौधों की अवैध खेती को लेकर सख्त चेतावनी दी है उन्होंने साफ निर्देश दिए हैं कि जिले के किसी भी हिस्से में इस तरह से नशे का अवैध कारोबार पनपने नहीं दिया जाएगा इसके लिए अब राजस्व विभाग के मैदानी अमले को सक्रिय कर दिया गया है तहसीलदार, पटवारी और ग्राम पंचायत के सचिव को गांव-गांव जाकर खेतों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं टीम संदिग्ध फसलों की पहचान करेगी और जहां भी शक होगा, वहां तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी जाएगी। जरूरत पड़ने पर ग्राम सरपंचों और सामाजिक संगठनों की मदद भी ली जाएगी।

कई सालों से खेतों में अफीम की खेती: दरअसल, हाल ही में दुर्ग और बलरामपुर जिलों में अवैध अफीम की खेती का मामला सामने आने के बाद शासन ने इसे गंभीरता से लिया है जांच में यह बात सामने आई कि शातिर अपराधी सामान्य खेती के बीच छिपाकर अफीम की फसल लगा रहे थे ताकि किसी को आसानी से शक न हो इसी को देखते हुए अब प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों को सतर्क रहने और अपने-अपने क्षेत्रों में जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं प्रशासन ने केवल कागजी रिपोर्ट पर भरोसा करने के बजाए मौके पर जाकर सत्यापन करने की रणनीति बनाई है। प्रशासन ने तहसीलदारों की टीम को विशेष रूप से उन क्षेत्रों में भेजने का निर्णय लिया है।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं सुनीता यादव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत कोटाडोल के ग्राम खिरकी की निवासी सुनीता यादव आज अपने परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई हैं वे 'सखी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं और समूह के माध्यम से आजीविका गतिविधियों का संचालन कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं सुनीता यादव बताती हैं कि पहले उनके पास आय के सीमित साधन थे जिससे परिवार की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता था इसी दौरान वे स्व-सहायता समूह से जुड़ीं और उन्हें बिहान योजना के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिला समूह से जुड़ने के बाद उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ सुनीता यादव ने अपने प्रयासों से सेंट्रिंग प्लेट्स और ऑटो पार्ट्स से संबंधित काम शुरू किया उन्होंने धीरे-धीरे इस कार्य को आगे बढ़ाया और अपनी मेहनत व लगन से इसे एक स्थायी आय के साधन में बदल दिया उनके इस कार्य से गांव में भी उन्हें अच्छी पहचान मिलने लगी और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। आज उनके इस प्रयास से प्रति माह लगभग 8,000 से 10,000 रुपये तक की आय हो रही है इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं सुनीता यादव का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से उन्हें आगे बढ़ने की नई दिशा मिली है आज वे अपने काम से काफी खुश हैं और अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं सुनीता यादव की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को सही अवसर और सहयोग मिले तो वे अपने परिश्रम के बल पर न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

रिटायर्ड फौजी के पेट को छूकर निकली गोली बट से सिर पर किया वार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा कस्बे में चोरी का प्रयास कर रहे एक बदमाश ने पकड़े जाने पर रिटायर्ड फौजी पर गोली चला दी गोली फौजी के पेट को छूते हुए निकल गई इसके बाद आरोपी ने कट्टे की बट से हमला कर खुद को छुड़ाया और भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने कुछ ही देर में उसे गिरफ्तार कर लिया जानकारी के अनुसार रिटायर्ड फौजी महेंद्र सिंह गुर्जर मूल रूप से उटवाहा गांव के निवासी हैं और वर्तमान में करैरा के यादव मोहल्ला में रहते हैं उनका एक निर्माणाधीन मकान हाइवे किनारे राइन मार्केट के सामने है जुलाई माह में इसी मकान में चोरी हो चुकी थी जिसके चलते महेंद्र सिंह रात में समय-समय पर वहां जाकर निगरानी करते रहते थे शनिवार रात करीब 9:45 बजे महेंद्र सिंह अपने निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे उन्होंने देखा कि एक युवक शटर में लगे ताले को तोड़ने की कोशिश कर रहा था महेंद्र सिंह ने आरोपी को पकड़ लिया जिस पर आरोपी ने पहले गाली-गलौज की और फिर कमर के पीछे छिपाया हुआ कट्टा निकालकर फायर कर दिया गोली महेंद्र सिंह के पेट को छूते हुए निकल गई गोली चलने के बाद भी महेंद्र सिंह ने आरोपी को नहीं छोड़ा हालांकि, आरोपी ने कट्टे की बट से उनके सिर और हाथों पर हमला कर खुद को छुड़ाया और वहां से भाग गया।

सिंधी समाज ने 550 बेटियों को दिखाई 'केरल स्टोरी-2

सांस्कृतिक जागरूकता के लिए खास आयोजन, हनुमान चालीसा से हुई शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सनातन संस्कृति, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संदेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य सें सिंधी समाज ने एक भव्य व प्रेरणादायी आयोजन किया इस अवसर पर समाज की लगभग 550 से अधिक बालिकाओं और मातृशक्ति को 36 मॉल में निशुल्क फिल्म 'केरल स्टोरी-2' दिखाई गई इस पहल को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया और पूरा कार्यक्रम सांस्कृतिक जागरण के रूप में सामने आया कार्यक्रम की शुरुआत सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया और समाज की सुख-समृद्धि, एकता व सामाजिक सद्भाव की कामना की इस आध्यात्मिक वातावरण ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बना दिया। आयोजन में सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष विनोद मेघानी, सेंट्रल सिंधी युवा विंग के अध्यक्ष रॉबिन वाधवानी, कार्यकारी अध्यक्ष पवन वाधवानी, युवा विंग के पदाधिकारी नवीन लालवानी, विजय वाधवानी, मनोज मनसुखानी, सुनील आहूजा, जगदीश जज्ञासी मौजूद रहे सेंट्रल सिंधी महिला विंग से गरिमा शाहनी, भारती सचदेव, प्राची भकतानी, नीतू खुशलानी, ज्योति पंजाबी और आरती मनवानी भी उपस्थित रहीं सभी ने समाज की एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वंदे मातरम मित्र मंडल का भी मिला सहयोग: वंदे मातरम मित्र मंडल के पदाधिकारियों का भी आयोजन में अहम योगदान रहा। प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र जैन, संजीवनी हॉस्पिटल के डॉक्टर विनोद तिवारी, महामंत्री डॉक्टर जयसिंह चंदेल सहित कई सदस्यों ने व्यवस्था और समन्वय में सहयोग किया आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करना और सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा।

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रेलवे प्रशासन ने नवरात्रि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दुर्ग-नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस को मैहर स्टेशन पर अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है यह ठहराव 18 से 29 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा ट्रेन मैहर स्टेशन पर 5 मिनट के लिए रुकेगी यह सुविधा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18201/18202 के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में उपलब्ध होगी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस 18 से 28 मार्च 2026 तक दुर्ग से रवाना होगी और मैहर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन मैहर स्टेशन पर सुबह 05:35 बजे पहुंचेगी और 05:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 18202 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस 20 से 29 मार्च 2026 तक नौतनवा से रवाना होगी यह गाड़ी मैहर स्टेशन पर रात 01:55 बजे पहुंचेगी और 02:00 बजे रवाना होगी।

मंत्री बोले-कलेक्टर के आने से अमर की सीट खतरे मे

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने बिलासपुर के एक कार्यक्रम में अमर अग्रवाल पर चुटकी ली मंच से नेताम ने कहा कि कलेक्टर संजय अग्रवाल आए हैं तो कही अमर अग्रवाल की सीट खतरे में ना हो जाए उनके इस कमेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है दरअसल कृषि मंत्री के इस बयान को उस घटना से जोड़कर देखा जा रहा हैं जब कुर्सी को लेकर विधायक अमर अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से कलेक्टर पर नाराजगी जताई थी। बता दें कि 14 मार्च को बिलासपुर में आयोजित गोधन योजना के उद्घाटन कार्यक्रम में रामविचार नेताम ने ये बात कही जो अब यह चर्चा का विषय बन गया है कुर्सी को लेकर विधायक अमर अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से कलेक्टर पर नाराजगी जताई थी कुर्सी को लेकर विधायक अमर अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से कलेक्टर पर नाराजगी जताई थी युवा महोत्सव कार्यक्रम में कुर्सी को लेकर हुए थे नाराज पिछले साल दिसंबर महीने में बिलासपुर में आयोजित राज्य युवा महोत्सव में विधायक अमर अग्रवाल अव्यवस्था को लेकर नाराज हो गए थे हालांकि, उन्होंने कलेक्टर से कुछ नहीं कहा था केवल आंखें निहार कर नाराजगी का इशारा किया था इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद सीएम विष्णु देव साय ने अमर अग्रवाल को सामने फ्रंट लाइन पर बैठने बुलाया था। जिस पर अमर अग्रवाल ने कहा कि मैं आपके सम्मान में आ जाता हूं वहीं कार्यक्रम के बाद विधायक ने कहा कि मेरी कोई नाराजगी नहीं है। मैं शुरू से व्यवस्था के पालन का आदी रहा हूं कोई विधायक की उपेक्षा नहीं हो रही है। विधायक की नाराजगी के बाद सीएम विष्णु देव साय ने उन्हें सामने फ्रंट लाइन पर बैठने बुलाया था। दरअसल, 14 मार्च शनिवार को बिलासपुर के सेंट्रल युनिवर्सिटी में गोधन योजना का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित था जहां मुख्यमंत्री विष्णदेव साय ने इस योजना का शुभारंभ किया कार्यक्रम में कृषि मंत्री राम विचार नेताम भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के तहत कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने लोगों को संबोधित किया मंत्रियों और विधायकों के नाम लेने के बाद कार्यक्रम में मौजूद सीनियर अधिकारियों का जिक्र करने की परंपरा निभाते हुए मंत्री ने कलेक्टर संजय अग्रवाल का भी जिक्र किया।

केराबहरा में एक ही परिवार के लोग हो रहे अंधे,स्वास्थ्य विभाग ने लगाया नेत्र जांच शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केराबहरा में स्वास्थ्य विभाग ने एक विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया यह शिविर एक ही परिवार के लगभग 20 सदस्यों में ग्लूकोमा की समस्या सामने आने के बाद लगाया गया जो पिछले तीन-चार पीढ़ियों से इस गंभीर नेत्र रोग से पीड़ित हैं। शिविर में मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इसे एक संवेदनशील मामला मानते हुए बताया कि इस परिवार में 18 वर्ष की आयु के बाद आंखों में दर्द शुरू हो जाता है और धीरे-धीरे लोग ग्लूकोमा की चपेट में आकर अपनी रोशनी खो देते हैं ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जिसमें समय पर पहचान और इलाज न मिलने पर आंखों की रोशनी स्थायी रूप से जा सकती है इस स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित लोगों की जांच की और निरंतर स्वास्थ्य निगरानी बनाए रखने पर जोर दिया। विशेष शिविर के दौरान वयस्कों के साथ-साथ छोटे बच्चों की आंखों का भी परीक्षण किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती अवस्था में बीमारी की पहचान होने पर उचित चिकित्सकीय परामर्श और नियमित जांच से आंखों की रोशनी को काफी हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

60 की जगह 90 फ्लैट का नक्शा पास

मेंबिल्डर और अफसरों पर मिलीभगत का आरोप बिल्डिंग ऑफिसर बोले पहले मिल चुकी थी अनुमति

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। नगर निगम और नगर ग्राम निवेश के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं मामला शहर के तालापारा (अज्ञेय नगर) स्थित 'मेसर्स अनंत रियाल्टी' प्रोजेक्ट से जुड़ा है, जहां नियमों का उल्लंघन कर निर्माण किए जाने का आरोप लगा है यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रश्नकाल में बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र के 177 अवैध संस्थानों का मुद्दा चर्चा में है इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जांच कमेटी गठित करने की घोषणा की है 'मेसर्स अनंत रियाल्टी' प्रोजेक्ट में बिल्डर नमन गोयल और कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से नियमों का उल्लंघन किए जाने की बात कही जा रही है इससे शासन को करोड़ों रुपए के नुकसान और आम लोगों की सुरक्षा से समझौता होने की आशंका जताई जा रही है मामले का मुख्य बिंदु एरिया स्टेटमेंट और स्वीकृत नक्शे के बीच अंतर है। बिल्डर नमन गोयल ने अनुमोदित अभिन्यास के एरिया स्टेटमेंट में 4 तलों पर 60 फ्लैट निर्माण का उल्लेख किया था। हालांकि उसी अभिन्यास के नक्शे में फ्लैट की संख्या बढ़ाकर 90 और तलों की संख्या 6 कर दी गई इसके बावजूद नक्शा पास कर दिया गया। नगर निगम के बिल्डिंग ऑफिसर अनुपम तिवारी ने बताया कि संयुक्त संचालक बीपीएस पटेल और उनकी टीम मामले की जांच कर रही है उन्होंने कहा कि यह नक्शा उनके कार्यभार संभालने से पहले का है। अनुपम तिवारी के अनुसार, मौके पर मौजूद सड़क की चौड़ाई के अनुसार 90 फ्लैट बनाने की अनुमति कैसे दी गई यह जांच का विषय है उन्होंने स्पष्ट किया कि टाउन प्लानिंग से पहले अनुमति मिली थी उसी आधार पर नगर निगम ने नक्शा पास किया है।

साल की पहली नेशनल लोक अदालत, संपत्ति कर और जलकर के बकायेदारों को अधिभार में छूट, सर्वर डाउन होने से परेशानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में शनिवार को साल 2026 की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से बड़ी संख्या में लोग अपने विवादों के समाधान के लिए पहुंचे जिला न्यायालय परिसर में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जहां जिले भर से बड़ी संख्या में वादी और प्रतिवादी अपने-अपने प्रकरणों के निपटारे के लिए पहुंचे। लेकिन इस दौरान तकनीकी समस्या के चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा दरअसल, लोक अदालत में सबसे अधिक मामले नगर निगम और बिजली विभाग से जुड़े राजस्व बिलों के होते हैं, जिनमें मुख्य रूप से संपत्ति कर, जल कर और बिजली बिल से संबंधित प्रकरण शामिल रहते हैं इन मामलों के निराकरण और बकाया राशि जमा कराने के लिए बड़ी संख्या में उपभोक्ता लोक अदालत में पहुंचे थे लेकिन लगभग 2 घंटे सर्वर डाउन होने कारण कामकाज प्रभावित हो गया जिससे लोग घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करते रहे। कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि वे छूट का लाभ लेने के उद्देश्य से ही लोक अदालत में बिल जमा करने पहुंचे थे लेकिन जब उन्हें बताया गया कि किसी प्रकार की विशेष छूट नहीं मिल रही है तो उन्हें निराशा हुई। वहीं अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी समस्या को जल्द ठीक कर लिया गया था।

टाटा नेक्सन कार में लगी आग,फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे में आग पर पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र में रात एक खड़ी टाटा नेक्सन कार में आग लग गई यह घटना पारस रेजिडेंसी और सेंट बेनेडिक्ट स्कूल के बीच स्थित एक खाली प्लॉट में रात करीब 8:30 बजे हुई बताया जा रहा है कि आग कार के इंजन वाले हिस्से से शुरू हुई और देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं आसपास मौजूद लोगों और राजमिस्त्रियों ने तत्काल इसकी सूचना फिजिकल थाना पुलिस और नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही शिवपुरी नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया लेकिन तब तक कार का अगला हिस्सा काफी हद तक जल चुका था जो झांसी निवासी किसी व्यक्ति की बताई जा रही है फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दो परिवार में विवाद, मारपीट में पिता की मौत

साइकिल की चेन-पत्थर से मारपीट, बेटे की हालत गंभीर, बड़े भाई से हुई थी कहासुनी

मीडिया ऑडीटर, सागर, (निप्र)। सागर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बम्होरी तिगड्डा के पास शनिवार रात आयोजित शादी समारोह में दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा की दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर घायल हुआ है। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामला दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार, हाईवे से सटे ग्राम बाग खेजरा में शनिवार रात एक शादी समारोह चल रहा था। शादी समारोह में शामिल होने के लिए बब्लू पांडेय पहुंचे थे। जहां अनिल पांडेय भी मौजूद थे। दोनों के बीच पुरानी मारपीट की रंजिश चल रही है। पुराने विवाद हो लेकर ही दोनों के बीच कहासुनी हुई और झूमाझटकी होने लगी।

शादी में बड़े भाई से हुई कहानी, छोटे भाई पर किया हमला : विवाद होते देख मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जिसके बाद बब्लू पांडेय घर आ गए। इसी दौरान उनके भाई प्रदीप पांडेय उम्र 40 साल अपने बेटे रचित पांडेय उम्र 21 साल के साथ बम्होरी तिगड्डा की ओर जा रहे थे। तभी तिगड्डा के पास दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। जहां जमकर मारपीट हुई।

आरोपियों ने विवाद के दौरान प्रदीप पांडेय और रचित के साथ साइकिल की चेन, पत्थरों से मारपीट की। विवाद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां प्रदीप पांडेय की मौत हो गई। रचित की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रैफर किया गया है

25 साल पुराना विवाद चल रहा है : मृतक के भाई रामअवतार (बब्लू) पांडेय ने बताया कि आरोपी पक्ष से हमारा करीब 25 साल पुराना विवाद चल रहा है।

दोनों परिवार एक दूसरे के खिलाफ गांव के सरपंच पद का चुनाव लड़ चुके हैं। शनिवार रात शादी समारोह में गया था। जहां विवाद हुआ था। लोगों ने समझाइश देकर शांत कराया और हमें घर भेज दिया था। जिसके बाद देर रात पुलिस से पता चला कि मेरे भाई प्रदीप का मर्डर हो गया है। भतीजा रचित गंभीर घायल है।

5 आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज : सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में मारपीट हुई है। मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक घायल हुआ है। शिकायत पर मुख्य आरोपी अनिल पांडेय समेत 5 के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

इटारसी में युवक की हत्या,ट्रैक्टर-ट्रॉली हटाने पर हुआ था झगड़ा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में शनिवार देर रात एक 19 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। यह घटना ट्रैक्टर-ट्रॉली हटाने को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। मृतक की पहचान भाट मोहल्ला निवासी बंटा उर्फ जयदीप भाट के रूप में हुई है, जिसके पेट में 7 से 8 चाकू के वार किए गए थे। पुलिस के अनुसार, यह वारदात रात करीब 11 से 12 बजे के बीच हुई। जयदीप अपनी बहन के मकान का सामान भरवा रहा था, तभी वहां खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली हटाने को लेकर उसका मनोज राजपूत से विवाद हो गया। शुरुआती कहासुनी और मारपीट जल्द ही हिंसक रूप ले गई।

नाले के पास किया हमला: आरोप है कि मनोज राजपूत अपने तीन साथियों के साथ जयदीप को न्यास कॉलोनी के नाले के पास ले गया।

वहां उस पर चाकू से कई वार किए गए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इटारसी थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

परिजन बोले- पुरीनी रंजिश का बदला : मृतक की मां बिट्टी और मामा जसवंत भाट ने आरोप लगाया है कि यह हत्या पुरानी रंजिश का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पहले भी जयदीप को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया था। परिजनों का यह भी कहना है कि पुलिस ने जिन लोगों को हिरासत में लिया है, वे मुख्य आरोपी नहीं हैं।

आरोपियों की गिरफ्तार की मांग : मुख्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के परिजन और समाज के लोग इटारसी थाने में धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे अपना धरना समाप्त नहीं करेंगे। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

जंगली सुअर का शिकार करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बुरहानपुर में 8 किलो जंगली सुअर का मांस,जाल और हथियार बरामद

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 8 किलो जंगली सुअर का मांस, शिकार में इस्तेमाल किए गए औजार और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

यह कार्रवाई 13 मार्च की रात वन परिक्षेत्र शाहपुर के तहत पुलिस थाना शाहपुर की सूचना पर की गई। आरोपियों को जंगली सुअर का मांस ले जाते हुए पकड़ा गया। उनके पास से एक बड़ा चाकू, दो दराती, एक जाल और एक बाइक बरामद हुई।

खंडवा जिले के निवासी हैं आरोपी : बुरहानपुर एसडीओ अजय सागर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बादलसिंह (35) और मेहदुरसिंह (38) निवासी ग्राम भीलखेड़ी, पोस्ट कुमठा, जिला खंडवा के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बंभाड़ा गांव के पास राजस्व क्षेत्र में खेत की मेड़ के पास जाल लगाकर जंगली सुअर का शिकार किया था। बाद में धारदार हथियार से उसके टुकड़े कर बेचने की योजना थी।

वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम में मामला दर्ज : आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी श्यामलता मेरावी, परिक्षेत्र सहायक मोहम्मद अरुण सातव, बीटगार्ड ब्रजलाल निम्भोरकर, अजय दामड़े, वनरक्षक अभिषेक शर्मा, सुनील तायड़े और सुरक्षा श्रमिक शामिल रहे।

मजदूर पर अज्ञात वन्यप्राणी का हमला : एक अन्य मामले में नेशनल हाईवे पर काम कर रहे एक मजदूर पर अज्ञात वन्यप्राणी ने हमला कर दिया। घायल मजदूर पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताया गया है। मजदूर का कहना है कि उस पर तेंदुए ने हमला किया।

युवक की नदी में डूबने से मौत:शादी में शामिल होने आया था दमोह, घर में मातम

मीडिया ऑडीटर,दमोह (निप्र)। दमोह के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत नरसिंहगढ़ में रविवार दोपहर एक युवक की सुनार नदी में डूबने से मौत हो गई। वह अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था। स्थानीय लोगों ने उसे नदी से बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतक की पहचान सागर जिले के परसोरिया निवासी 23 वर्षीय बाबू उर्फ कृष्णा बंसल के रूप में हुई है। वह नरसिंहगढ़ के ग्वाल मोहल्ला निवासी रामू बंसल के बेटे नितेश बंसल की 14 मार्च को हुई शादी में शामिल होने अपने परिवार के साथ आया था। शनिवार को बारात निकल गई थी, लेकिन बाबू नरसिंहगढ़ में ही रुक गया था। रविवार को वह सुनार नदी में नहाने गया और गहरे पानी में डूब गया।

स्थानीय लोगों ने बाबू को डूबते देखा और तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से युवक को नदी से बाहर निकाला। उसे ऑटो रिक्शा से जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में एक कार चालक ने मदद करते हुए उसे अपनी कार से अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। जिस घर में शादी की खुशियां थीं, वहां इस घटना के बाद मातम पसर गया है।

रेप के आरोपी को 10 साल की सजा :बाइक पर जबरदस्ती बैठाकर ले गया

रात भर बंधक बना कर रखा था, 2 साल बाद आया फैसला

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम के स्टेशन रोड क्षेत्र से जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर एक महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी दिलीप (19) पिता पीरचंद को 10 साल के कारावास की सजा दी है। साढे तीन हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। फैसला तृतीय सत्र न्यायाधीश बरखा दिनकर की कोर्ट ने सुनाया है। अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिवक्ता सतीश त्रिपाठी ने बताया कि घटना 28 फरवरी 2024 की है। दिलीप (19)पिता पीरचंद निवासी ग्राम बाली थाना सरवन अपने दो दोस्तों बहादुर (23) पिता कैलाश निवासी ग्राम अमरपुरा एवं प्रकाश (20)पिता मोहन निवासी ग्राम जंबूरिया के साथ रतलाम पहुंचा था। शाम 6 बजे दो अलग-अलग बाइक से स्टेशन रोड पहुंचे थे। जहां पीड़िता अपनी बहन के लड़के (भांजे) के साथ बातचीत कर रही थी द्य आरोपी दिलीप ने पीड़िता का हाथ पकड़ कर उसे कहा कि चुपचाप मेरे साथ चल नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा। पीड़िता के बहन के लड़के को दो अन्य आरोपियों ने अपनी बाइक पर जबरदस्ती बैठाया। पीएनटी कॉलोनी स्थित कमरे पर ले गए। जहां रात भर रखा। आरोपी दिलीप ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। उसकी बहन के लड़के को अन्य दो आरोपियों ने दूसरे कमरे में बंद रखा।

भाई के पहुंचने पर आरोपी हुए फरार : घटना की सूचना पीड़िता के भाई को मिली। वह अगले दिन सुबह 7 बजे पीएनटी कॉलोनी पहुंचा। तब तक आरोपी मौके से भाग गए। भाई अपनी बहन व भांजे को साथ में लेकर पुलिस थाना स्टेशन रोड पहुंचा। आरोपी के खिलाफ पीड़िता ने दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखाई। विवेचना पूर्ण कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में अप्रैल 2024 में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

बयान बने सजा का आधार : कोर्ट में कुल 9 गवाहों के कथन हुए एवं 37 दस्तावेज पेश किए। आरोपी दिलीप की डीएनए रिपोर्ट भी पॉजीटिव आई। जिससे दुष्कर्म की पुष्टि हुई। प्रकरण में पीड़िता ने अपने साथ हुई घटना को न्यायालय में बताकर आरोपी दिलीप द्वारा जबरजस्ती दुष्कर्म करना बताया। अन्य दो आरोपी बहादुर तथा प्रकाश के विरुद्ध कोई साक्षी नहीं होने पर उन्हें दोष मुक्त किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिवक्ता सतीश त्रिपाठी द्वारा की गई ।

रायसेन में 37 डिग्री के पार पहुंचा अधिकतम तापमान

गर्मी से गेहूं की फसल पकने लगी, अप्रैल-मई में लू चलने के आसार

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मार्च की शुरुआत से ही गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है और शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया। गर्मी बढ़ने से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल तेजी से पकने लगी है और दोपहर में सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है वहीं मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान और बढ़ने के संकेत दिए हैं। जिले में दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 15 डिग्री रहा। तेज धूप के कारण खेतों में गेहूं की फसल तेजी से पकने लगी है। खेतों में खड़ी फसल का रंग अब हरे से पीलेपन में बदल रहा है।

किसानों का कहना है कि तापमान में बढ़ोतरी से फसल के पकने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके कारण गेहूं की कटाई जल्दी करनी पड़ सकती है।

दोपहर में सड़कों पर आवाजाही हुई कम : दोपहर के समय तेज धूप के कारण लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हो रही है। सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है और बाजारों में भी भीड़ घट गई है। लोग गर्मी से बचने के लिए अपनी दिनचर्या में बदलाव कर रहे हैं। अब लोग अपने आवश्यक कार्य सुबह या शाम को ही निपटा रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों ने कूलर और पंखों का उपयोग शुरू कर दिया है। ठंडे पेय पदार्थों और छायादार स्थानों की तलाश भी बढ़ गई है।

रविवार को दोपहर 1 बजे तापमान 34.8 डिग्री : रविवार को भी जिले में तापमान में वृद्धि का सिलसिला लगातार जारी रहा। दोपहर 1 बजे तक अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 8:30 बजे ही तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। इससे दिन की शुरुआत से ही लोगों को तेज गर्मी का अहसास होने लगा था।

मौसम विभाग ने दिए अप्रैल-मई में लू के संकेत : मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में जिले के तापमान में और बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है। आमतौर पर मार्च के दूसरे पखवाड़े के बाद तापमान तेजी से बढ़ता है। लेकिन इस बार महीने की शुरुआत से ही गर्मी का असर बढ़ता हुआ दिख रहा है।

नर्मदापुरम के कमानी कॉम्प्लेक्स के बिजली मीटर में आग

फायर ब्रिगेड बुलाई, युवाओं ने रेत डालकर बुझाई लपटें,ऊपरी फ्लोर पर रहते हैं 6 परिवार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के जयस्तंभ चौक स्थित कमानी कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर पर लगे बिजली मीटर में रविवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। इस घटना से कॉम्प्लेक्स में रहने वाले 6 परिवारों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद सुरक्षा के लिए बिजली सप्लाई बंद कर दी गई और युवाओं ने रेत-मिट्टी डालकर आग पर काबू पा लिया है।

रविवार सुबह करीब 11 बजे कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर पर लगे बिजली मीटर अचानक जलने लगे और देखते ही देखते आग भड़क गई। कॉम्प्लेक्स में आग फैलने की संभावना से वहां हड़कंप मच गया और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना देकर तत्काल फायर ब्रिगेड को भी बुला लिया। मीटर में आग और बिजली सप्लाई चालू होने के कारण युवाओं ने तत्काल वहां रेत और मिट्टी डालकर आग को बुझाया।

कमर्शियल और रेजिडेंशियल है कमानी कॉम्प्लेक्स : यह घटना जय स्तंभ चौक के पास स्थित कमानी कॉम्प्लेक्स में हुई है।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी यात्री

बस,सीहोर में भोपाल-इंदौर रोड पर हादसा

डिवाइडर से टकराई, यात्रियों को आई मामूली चोटें

मीडिया ऑडीटर, सीहोर(निप्र)। सीहोर जिले में भोपाल-इंदौर रोड पर रविवार सुबह ग्राम अमलाहा के पास एक यात्री बस ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इससे बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना अमलाहा के पास भाव खेड़ी जोड़ पर हुई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि बीच रोड पर खड़े ट्रक को पीछे से आ रही यात्री बस ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी विंड स्क्रीन टूट गई। ट्रक से टक्कर होने के बाद यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे डिवाइडर से भी टकरा गई। यह कैसे हुआ इसके बारे में पता लगाया जा रहा है।

यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ा गया : गनीमत रही कि इस सड़क दुर्घटना में बस में सवार किसी भी यात्री को गंभीर चोटें नहीं आईं।

सीतामऊ में ऑटो रुकवाकर ड्राइवर पर हमला, चाकू से किए वार

सिर में 6 टांके, पेट में भी चोट आई

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ क्षेत्र में रविवार दोपहर एक ऑटो ड्राइवर पर हमला करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने ऑटो रुकवाकर ड्राइवर के साथ जमकर मारपीट की और चाकू से वार कर दिया। गंभीर घायल ऑटो चालक को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार मुरसलीम शेख, जो सीतामऊ और आसपास के क्षेत्र में ऑटो चलाते हैं, रविवार दोपहर सवारी लेकर लादुना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में 3 से 4 बाइक पर सवार होकर कुछ लोग पहुंचे और उनका ऑटो रुकवा लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

सिर और पेट पर चाकू से वार, 6 टांके आए : हमले के दौरान आरोपियों में से दो लोगों के पास चाकू होने की बात सामने आई है। हमलावरों ने मुरसलीम के सिर और पेट पर चाकू से वार किए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

सिर में गहरी चोट लगने के कारण 6 टांके लगाए गए हैं। इसके अलावा हमलावरों ने लठ से पैर और पीठ पर भी वार किए। घायल मुरसलीम शेख को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

इन लोगों पर मारपीट का आरोप :पीड़ित के अनुसार हमले में रियाज उर्फ सोनू, शाकिर, जुनैद, जाबिर, अल्फेज, गुलाम रसूल उर्फ लड्डू और अयाज़ उर्फ सोनू निवासी सीतामऊ शामिल थे। पीड़ित का कहना है कि वह इन सभी को पहचानता है। उसके अनुसार हमले के समय इनके साथ अन्य लोग भी मौजूद थे।

दूसरे पक्ष का युवक भी अस्पताल में भर्ती : बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम में दूसरे पक्ष का एक युवक जुनेद भी घायल हुआ है और उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि उसके पेट में चोट बताई जा रही है। जुनेद और उसके परिजनों ने इस मामले में मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया।

मामले में सामने आया है कि दो दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज को लेकर विवाद हुआ था। इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई थी। मुरसलीम शेख का कहना है कि विवाद के बाद मामला थाने में पहुंच चुका था, लेकिन रविवार को जब वह सवारी लेकर जा रहे थे तभी आरोपियों ने रास्ता रोककर उन पर हमला कर दिया।

जान से मारने की धमकी देने का आरोप : पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और अपनी जान को खतरा बताया है।

मामले में जानकारी के लिए जब सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

आईपीएल 2026: केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) फ्रेंचाइजी के मेंटॉर पद से इस्तीफा दे दिया है। 45 वर्षीय पीटरसन का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए जरूरी समय नहीं दे पाएंगे हालांकि, इस टूर्नामेंट में कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल फरवरी में पीटरसन को आईपीएल 2025 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया था इस बीच पीटरसन ने सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम किया, जिसमें क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, हेड कोच हेमांग बदानी, असिस्टेंट कोच मैथ्यू मॉट और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल शामिल थे इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा, 'मैं इस आईपीएल सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटॉर नहीं रह पाऊंगा मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सीजन के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं हालांकि, मैं कमेंट्री बॉक्स में आप सभी से फिर मिलूंगा आईपीएल दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है मैं जल्द ही आप

सभी को देखने के लिए बेताब हूं।' केविन पीटरसन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 104 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 47.28 की औसत के साथ 8,181 रन बनाए। इसके अलावा, 136 वनडे मुकाबलों में 40.73 की औसत के साथ 4,440 रन, जबकि 37 टी20 मुकाबलों में 37.93 के साथ 831 रन जोड़े साउथ अफ्रीका में जन्मे इस क्रिकेटर ने 2008 से 2009 तक इंग्लैंड की कप्तानी की थी। उन्हें टी20 विश्व कप 2010 में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब मिला था। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही इंग्लैंड ने अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती थी पीटरसन ने आईपीएल करियर में कुल 36 मैच खेले, जिसमें 37.07 की औसत के साथ 1,001 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 4 अर्धशतक निकले। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का शेड्यूल जारी कर दिया है यह चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। इस बीच कुल 20 मैच 10 वेन्यू पर आयोजित होंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'चूंकि इस दौरान तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल चुनावों की तारीखें घोषित होने के बाद ही जारी किया जाएगा।

केकेआर ने किया नई जर्सी का अनावरण, टीम की विरासत पर आधारित नया डिजाइन

कोलकाता । तीन बार आईपीएल का खिताब जीत चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन (आईपीएल 2026) के लिए अपनी नई जर्सी लांच कर दी है। नई जर्सी को 'लाइन्स ऑफ लेगेसी थीम' पर डिजाइन किया गया है। नई जर्सी के डिजाइन के केंद्र में वे खास पल हैं जिन्होंने इतने सालों में केकेआर के सफर को आकार दिया है। 2008 में लीग के उद्घाटन मैच में ब्रेंडन मैकुलम के 158 रन की यादगार पारी से लेकर, रिंकू सिंह के आखिरी ओवर में लगाए पांच छक्कों तक, केकेआर ने ऐसे कई पल दिए हैं जो आईपीएल की कहानियों का हिस्सा बन गए हैं। केकेआर ने एक बयान में कहा, 'इस सीजन में, उन लाइनों को सिर्फ याद नहीं रखा गया है – उन्हें जर्सी में ही बुना गया है, जिससे फैन्स टीम की कहानी का एक हिस्सा पहन सकें।'

जर्सी के अनावरण पर बात करते हुए, नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, वेंकी मैसूर, ने कहा, 'द लाइन्स ऑफ लेगेसी केकेआर के शानदार इतिहास का सार है और टीम के इतने सालों के सफर का जश्न मनाती है। हर लाइन शानदार पल का एक अहम हिस्सा है, जो हमारी पहचान बनाने के लिए मिलकर काम करने वाली ऊर्जा और जोश को दिखाती है।

हमें अपनी बनाई इस लेगेसी पर गर्व है और हम इसे आने वाले सीजन में भी इसे जारी रखना चाहते हैं, साथ ही अपने फैन्स के लिए और भी यादें बनाना चाहते हैं।' बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक कोलकाता नाइट राइडर्स अपने कैंपेन की शुरुआत 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। केकेआर अपने होम ग्राउंड ईडेन गार्डन में पहली बार 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ खेलेगी। केकेआर ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में कैमरून ग्रीन, मथीशा पथिराना, रोवमैन पॉवेल और फिन एलन जैसे बड़े खिलाड़ियों को खरीदकर टीम को मजबूती देने का प्रयास किया था।

द्रविड़, बिन्नी, और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज और अपनी कोचिंग में भारत को टी20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनाने वाले राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे। बिन्नी संन्यास के बाद कोच, चयनकर्ता और बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। द्रविड़ को उनके शानदार खेल करियर, जिसमें उन्होंने 24,000 से ज्यादा रन बनाए, और एक मेंटर और कोच के तौर पर उनके असरदार काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह का एक बड़ा आकर्षण हाल ही में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा, जिसमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026, महिला विमेंस क्रिकेट विश्व कप 2025, और पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीमें शामिल हैं।

विजेताओं की पूरी लिस्ट

पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25: श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल =2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर-स्मृति मंधाना, वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 - महिला - दीप्ति शर्मा , वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला- 2024-25 - स्मृति मंधाना , 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- महिला - एन श्री चरणी ,2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- पुरुष - हर्षित राणा ,2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन-मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ,2023-24 में घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ अंपायर- उल्हास गांधे,माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले - एलीट ग्रुप - हर्ष दुबे (विदर्भ) ,माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप - सुचित जे (नागालैंड) ,माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप - यश राठौड़ (विदर्भ) ,माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप - स्नेहल कौथंकर (गोवा) ,घरेलू सीमित ओवर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड,ग्रुप - विक्की ओस्तवाल (महाराष्ट्र) एम.ए. चिदंबरम ट्रॉफी: (अंडर-23) कर्नल सी के नायडू ट्रॉफी 2024-25 - प्लेट ग्रुप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - दीपज्योति सैकिया (असम)

एम.ए. चिदंबरम ट्रॉफी: (अंडर-23) कर्नल सी. के. नायडू ट्रॉफी 2024-25 - एलीट ग्रुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - मैकनील एच. एन. (कर्नाटक)।

गुरु हनुमान: भारतीय कुश्ती को आधुनिक रूप देने वाले, सुशील कुमार और रवि दहिया जैसे पहलवानों के गुरु शिष्य रहे हैं

नई दिल्ली । कुश्ती भारत का एक पारंपरिक खेल है। समय-समय पर ऐसे-ऐसे पहलवान देश में जन्म लेते रहे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से भारतीय कुश्ती को बुलंदी पर पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। गुरु हनुमान के नाम से मशहूर विजय पाल यादव का नाम भी ऐसे पहलवानों में प्रमुखता से लिया जाता है। विजय पाल यादव का जन्म 15 मार्च 1901 को चिड़ावा, राजस्थान में हुआ था। वह कभी स्कूल नहीं गए, लेकिन बेहद कम उम्र से कुश्ती को लेकर उनके मन में जुनून था। कुश्ती में वह कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे। इसलिए, कम उम्र से ही अखाड़े में कुश्ती लड़ने लगे थे 1919 में सब्जी मूंदी में बिड़ला मिल्स के पास एक दुकान खोलने के लिए दिल्ली आए थे, लेकिन मन तो कुश्ती में रमा था दुकानदारी की जगह पहलवानी में उन्होंने समय दिया और जल्द ही क्षेत्र में मशहूर हो गए। एक पहलवान और एक कोच के तौर पर, गुरु हनुमान ने पारंपरिक भारतीय कुश्ती स्टाइल, पहलवानी को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मानकों के मुताबिक बनाया और उसे आधुनिक कुश्ती का रूप दिया। समय के साथ उन्होंने भारत के लगभग सभी फ्रीस्टाइल अंतरराष्ट्रीय पहलवानों को कोचिंग दी। उनके शिष्यों सुदेश कुमार और प्रेम नाथ ने 1958 में कार्डिफ कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते थे सतपाल और करतार सिंह ने क्रमशः 1982 और 1986 में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीते। उनके आठ शिष्यों को भारत का सबसे बड़ा खेल सम्मान अर्जुन अवॉर्ड मिला मिल चुका है। गुरु हनुमान शाकाहारी खाने को ज्यादा प्राथमिकता देते थे।

24 मई 1999 को हरिद्वार जाते समय मेरठ के पास एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें 1987 में प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार और 1983 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। 9 अगस्त 2003 को, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने नई दिल्ली के कल्याण विहार स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरु हनुमान की एक मूर्ति का अनावरण किया।

भारतीय उद्योगपति के. के. बिड़ला ने उन्हें मलकागंज, सब्जी मंडी (पुरानी दिल्ली) में अखाड़ा खोलने के लिए ज़मीन दी, इस तरह 1925 के आसपास 'बिड़ला मिल्स व्यायामशाला' शुरू हुई, जिसे दिल्ली के कमला नगर में बिड़ला मिल्स मैनेज कर रहा था, जिसे बाद में गुरु हनुमान अखाड़ा के नाम से जाना गया। गुरु हनुमान अखाड़ा पारंपरिक हिंदी बोली में पहलवानों का ट्रेनिंग सेंटर या अखाड़ा है। 1925 में नॉर्थ दिल्ली में रोशनआरा बाग के पास शक्ति नगर में शुरू हुआ यह अखाड़ा भारत का सबसे पुराना मौजूदा कुश्ती स्कूल है इस अखाड़े से दारा सिंह, हंस राम, गुरु सतपाल, उद्दल सिंह, सुभाष वर्मा, वीरेंद्र सिंह, सुशील कुमार, योगेंद्र कुमार, विशाल त्रिखा, अनुज चौधरी, राजीव तोमर, अनिल मान, सुजीत मान, चांद खत्री, नवीन, और राकेश गूंगा जैसे पहलवान निकले हैं इस अखाड़े की जमीन को पहलवान काफी शुभ मानते हैं। 2014 में, कुश्ती अकादमी को भारत सरकार ने 2014 के राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना था गुरु हनुमान के शिष्य सतपाल सिंह मौजूदा समय के बड़े कुश्ती कोच हैं।

इंडियन वेल्स मास्टर्स: आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंची लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया

इंडियन वेल्स । आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया, और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा।

नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच एक घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं अपने पिछले कुछ फाइनल यहीं हार गई थी। मैं पक्का करूंगी कि रविवार को पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना श्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी ताकि यह साल मेरे लिए अच्छा रहे।' सबालेंका 2 बार इंडियन वेल्स का फाइनल हार चुकी हैं। रविवार को फाइनल में उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा। नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे सूर्यकुमार यादव, बप्पा से लिया आशीर्वाद

मुंबई । टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर शनिवार को ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर गणपति बप्पा के दर्शन को पहुंचे। इससे पहले, टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव हेड कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ हनुमान मंदिर आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया था। भारत घरेलू सरजमीं पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बना। भारत टी20 वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाला पहला देश भी है।

8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए थे। खिताबी मैच में टीम इंडिया की ओर से संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 8 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 89 रन बनाए उनके अलावा, ईशान किशन ने 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 52 रन टीम के खाते में जोड़े।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई कीवी टीम से टिम सीफर्ट ने 26 गेंदों में 52 रन की पारी खेली। कप्तान मिचेल सेंटनर ने 43 रन का योगदान टीम के खाते में दिया था।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की शुरुआत शानदार रही थी। टीम इंडिया ने यूएसए को 29 से मात देने के बाद नामीबिया के खिलाफ 93 रन से जीत दर्ज की थी। इसके बाद हाईवोल्टेज मैच में पाकिस्तान को 61 रन से हराने के बाद नीदरलैंड के विरुद्ध 17 रन से जीत हासिल की।

ग्रुप स्टेज के सभी मैच जीतने के बाद भारत को सुपर-8 के अपने पहले ही मैच में साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 76 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया ने शानदार वापसी करते हुए जिम्बाब्वे को 72 रन और वेस्टइंडीज को 5 विकेट से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।,

पूजा गहलोत की कुश्ती के खिलाफ थे पिता, हालात से लड़कर बनाई पहचान

नई दिल्ली। कई खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने से पहले कई लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं। भारत की होनहार महिला पहलवान पूजा गहलोत ने अखाड़े में उतरने से पहले कई ऐसी ही जंग लड़ी। आर्थिक तंगी के साथ-साथ पूजा के पिता उन्हें कुश्ती खेलते हुए नहीं देखना चाहते थे। हालांकि, पूजा के बुलंद हौसलों के आगे एक दिन पिता को भी झुकना पड़ा।

पूजा गहलोत का जन्म दिल्ली के लांपुर गांव में हुआ। बचपन से ही पूजा को खेलों में खास रुचि थी। कुश्ती का खेल पूजा के दिल के थोड़ा ज्यादा करीब था। हालांकि, उस दौर में लड़कियों का कुश्ती खेलना सामान्य बात नहीं माना जाता था। खुद पूजा के पिता नहीं चाहते थे कि वह इस खेल में करियर बनाएं। पूजा की प्रतिभा को चाचा धर्मवीर सिंह ने पहचाना, और वह ही उनको महज 6 साल की उम्र में अखाड़े लेकर गए।

पिता की सख्ती के चलते पूजा ने पहले वॉलीबॉल खेलना शुरू किया लेकिन बाद में वह कुश्ती के खेल में रम गईं। चाचा धर्मवीर ने पूजा को कुश्ती की बारीकियां सिखाईं और इसके बाद पूजा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूजा ने 2017 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में लाजवाब प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। पूजा गहलोत पहली बार साल 2019 में सुर्खियों में आईं। उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक को अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप से पहले कंधे की चोट के कारण पूजा को दो साल तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। हालांकि, पूजा ने जबरदस्त वापसी करते हुए हर किसी को दिखाया कि वह इस खेल के लिए ही बनी हुई हैं। साल 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में पूजा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला।

पूजा ने 50 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि, पदक जीतने के बावजूद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूजा भावुक हो गई थीं। भारतीय महिला पहलवान को इस बात का मलाल था कि वह देश के लिए स्वर्ण पदक नहीं जीत सकीं। पूजा के प्रदर्शन की खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर सराहना की थी और उनका हौसला बढ़ाया था।

पूजा की सफलता के पीछे उनका संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प रहा। उन्होंने समाज की सोच, आर्थिक कठिनाइयों और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों को पार करके विश्व में अपने खेल के दम पर अपनी पहचान बनाई। आज वह देश की युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं और यह संदेश देती हैं कि मेहनत और आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

हिनौती गौधाम में मास्टर प्लान के अनुसार ही निर्माण कार्य कराये जांय : उप मुख्यमंत्री

निर्माणाधीन गौशेड व गेस्ट हाउस का कार्य 30 मार्च तक पूर्ण करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने हिनौती गौधाम में आयोजित बैठक में कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार ही सभी निर्माण कार्य कराये जांय। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि गौधाम में प्रस्तावित गौशेड, भूसा शेड सहित अन्य कार्य व्यवस्थित ढंग से लेआउट देकर प्रारंभ करायें। उन्होंने गौधाम के निर्माणाधीन गौशेड एवं गेस्ट हाउस का कार्य 30 मार्च तक पूर्ण कराकर लोकार्पण कराने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने विधायक मनगवां द्वारा प्रदत्त की गयी 3 करोड़ 60 लाख रूपये की राशि से गोपाल, सुरभि एवं नंदिनी गौशेड निर्माण कार्य की प्रगति जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्य 30 मार्च तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। कामधेनु गौशेड के साथ भूसा शेड का कार्य भी नियत समय तक पूर्ण किये जाने का निर्देश उप मुख्यमंत्री ने दिया। शुक्ल ने उनके स्वयं की विधायक निधि से स्वीकृत 3 करोड़ 60 लाख रूपये की राशि से मास्टर प्लान के अनुसार व्यवस्थित ढंग से निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिये। शुक्ल ने कहा कि गौधाम से लगी किसानों की निजी भूमि में गौवंश न जांय यह व्यवस्था सुनिश्चित की जांय। उन्होंने गौशाला संचालन समिति में क्रियाशील सदस्यों को शामिल करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौधाम से लगे नाले में मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी घोषणा के अनुसार शीघ्र कार्य प्रारंभ करायें। उन्होंने गौधाम में जल निगम एवं पीएचई द्वारा निर्मित की गयी जन भागीदारी से टंकी व नेटवर्क पाइप लाइन कार्य के लिए विभागीय अधिकारियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर बताया गया कि सभी गौशेड में पानी का कनेक्शन कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम के लिए शासकीय भूमि का शेष सीमांकन कराने के निर्देश बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होंने गौधाम के लिए सड़क निर्माण व अन्य प्रयोजन के लिए निजी भूमि दाताओं का द्वारा प्रदत्त भूमिदान के लिये सम्मान किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमार्ग से गौधाम तक प्रस्तावित सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करायें। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने गौपूजन कर गाय को गुड खिलाया। बैठक में उप मुख्यमंत्री जी के प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय ने हिनौती गौधाम में निर्माण कार्यों सहित गायों के पंजीयन तथा अन्य गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी, एसडीएम दृष्टि जायसवाल, सीईओ जनपद प्राची चतुर्वेदी, उप संचालक पशुपालन डॉ. पंकज सिंह, कार्यपालन यंत्री पीएचई चित्रांशु सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

श्रीनिवास तिवारी विद्या सदन उ. मा.वि नगवां में पर्यावरण शिक्षण कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्रीनिवास तिवारी विद्या सदन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगवां के सभागार में पर्यावरण विभाग म.प्र. एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार सतत जीवन शैली पर आधारित भाषण, निबंध एवं प्रदर्शनी प्रतियोगिता 14 मार्च को विद्यालय के सभागार में आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में अंबुज द्विवेदी प्रथम सीनियर वर्ग में सौम्या पाठक प्रथम सृष्टि पांडेय द्वितीय राशि तिवारी तृतीय निबंध प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में शांभवी पांडेय प्रथम आयुष गुप्ता द्वितीय, हरिओम यादव तृतीय सीनियर वर्ग में प्राची पांडेय प्रथम लक्ष्मी पांडेय, द्वितीय अंशिका तिवारी तृतीय, प्रदर्शनी मॉडल प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में रवि यादव प्रथम, गोवर्धन तिवारी द्वितीय, श्रद्धा तिवारी तृतीय, सीनियर वर्ग में जागृति द्विवेदी प्रथम राशू द्विवेदी द्वितीय आंचल गौतम तृतीय के साथ ही अलग-अलग प्रतियोगिताओं में कोमल सोनी दिव्या कचेर, समीर मिश्रा उत्सव राज तिवारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में वंदना मिश्रा, साक्षी पांडेय, राजकुमारी प्रजापति, स्मिता तिवारी आदर्श कचेर भी प्रतिभागी रहे। इस दौरान विद्यालय के संस्थापक शिवबालक पांडेय, प्राचार्य ओंकार प्रसाद द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डायरेक्टर दिनेश द्विवेदी ने किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक विनोद पाल,आर श्रीवास्तव शुभम द्विवेदी सारिका द्विवेदी, सपना उपाध्याय नीरज द्विवेदी, ऋतिक तिवारी ,अरुणा सिंह, कृष्णकांत द्विवेदी काजल द्विवेदी एवं अन्य कर्मचारियों तथा विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर सहभागिता की अपील की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में मानव सेवा और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 16 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि रक्तदान एक महान और पुनीत कार्य है, जो जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि वे रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इस जनहितकारी अभियान में अपना योगदान दें। कलेक्टर ने शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर की सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाएँ, ताकि रक्तदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए शिविर के सुचारु संचालन की सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रतिभा पाल ने शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा करते हुए विद्यार्थियों और युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान के लिए प्रेरित करने की बात कही।

एनएसयूआई के नेतृत्व में आज भाजपा कार्यालय का घेराव, छात्रों-युवाओं का बड़ा प्रदर्शन प्रस्तावित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विभिन्न छात्र और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को लेकर एनएसयूआई द्वारा आज भाजपा कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह आंदोलन एनएसयूआई रीवा के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में किया जाएगा। संगठन ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं की भागीदारी का दावा किया है। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि आंदोलन की शुरुआत दोपहर 12 बजे जयस्तंभ चौक स्थित बैजू धर्मशाला से होगी। यहां पहले छात्रों और युवाओं को संबोधित किया जाएगा, जिसके बाद सभी कार्यकर्ता रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर कूच करेंगे और वहां घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शन शिक्षा संस्थानों में बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, किसानों से जुड़े मुद्दों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही रीवा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को लेकर भी एनएसयूआई अपनी आवाज उठाएगी। पंकज उपाध्याय ने कहा कि छात्रों और युवाओं की समस्याओं को लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है, जिसके कारण युवाओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई हमेशा छात्रों और आमजन से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रही है और भविष्य में भी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और छात्र संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। आंदोलन के माध्यम से सरकार और प्रशासन का ध्यान युवाओं, किसानों और आम नागरिकों से जुड़ी समस्याओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा। एनएसयूआई नेताओं के अनुसार इस घेराव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, युवा कार्यकर्ता और संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे।

शिवम भारद्वाज बने आम आदमी पार्टी शिक्षा विंग के जिलाअध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आम आदमी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से शिवम भारद्वाज को शिक्षा विंग का जिलाअध्यक्ष रीवा नियुक्त किया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। शिवम भारद्वाज लंबे समय से शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने में लगे हुए हैं।इसी के साथ पार्टी ने राजेश दुबे को मुख्य विंग में जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। राजेश दुबे वर्ष 2013 से पार्टी में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और संगठन को मजबूत करने में लगातार योगदान दे रहे हैं। दोनों नेताओं की नियुक्ति पर प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया, रीवा जिलाअध्यक्ष राजीव सिंह शेरा, रवि मिश्रा प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा अमित सिंह, जिला उपाध्यक्ष रवि पांडेय, नितिन तिवारी एवं राजकुमार तिवारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

रीवा में बसपा के संस्थापक बहुजन नायक कांशीराम की मनाई गयी 92वीं जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शहीद रामानंद सिंह बगीचा प्रयागराज रोड, बरा रीवा (म.प्र.) में आयोजित बसपा के संस्थापक बहुजन नायक कांशीराम की 92वीं जयंती दिनांक 15/03/26 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजाराम केंद्रीय कोऑर्डिनेटर एवं मुख्य प्रभारी बसपा मध्य प्रदेश एवं पूर्व सांसद राज्यसभा मौजूद रहे। जहा पर सबसे पहले मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियो द्वारा महात्मा फूले मां सावित्री बाई फूले छत्रपति शाहू जी महाराज डाक्टर भीमराव अंबेडकर और कांसीराम की प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने कांसीराम के संघर्ष और जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजाराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि महानायक, बामसेफ, डीएस-4 व बसपा के संस्थापक बहुजन नायक कांशीराम का जीवन संघर्षमय रहा वो हमेशा दलितों, बंचितो गरीबो एवं बहुजन समाज के उत्थान के लिए लड़ते रहे।

उस दौरान एड. अभिषेक पटेल: पूर्व बसपा लोकसभा प्रत्याशी रीवा, वीडी पांडेय पूर्व सिरमौर विधानसभा प्रत्यासी, दिनेश पटेल, रविराज बौद्ध,मास्टर बुद्धसेन पटेल सहित विभिन्न जिलों से बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बहुजन समाज के हजारों नागरिक मौजूद रहे।

डॉक्टर को इलाज कराने वाले मरीज को भगवान की तरह मानना चाहिए : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि डॉक्टर को इलाज कराने वाले मरीज को भगवान की तरह मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती में डॉक्टर भगवान के सामान हैं डॉक्टर भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सेवाभाव से करें। शुक्ल ने पत्रिका समूह द्वारा आयोजित चिकित्सकों के सम्मान समारोह में शहर के डॉक्टर्स का सम्मान किया उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी मीडिया समूह द्वारा चिकित्सकों का रीवा में पहली बार इस तरह का सम्मान किया गया है यह आयोजन सिद्ध करता है कि रीवा में डॉक्टर्स बेहतर कार्य कर रहे हैं रीवा को मेडिकल हब बनाने का सपना सही दिशा में जा रहा है शुक्ल ने कहा कि जब जीवन संकट में आता है तो केवल डॉक्टर के पास ही लोग जाते हैं मेहनत से किये गये कार्य की जब बड़े सामाजिक स्तर पर सराहना मिलती है तो उत्साह भी बढ़ता है शुक्ल ने शहर के प्रमुख सेवाभावी डॉक्टर्स का सम्मान किया इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि विचारहीन समाज स्थाई नहीं होता किसी भी क्षेत्र में विचार के ऊपर व्यावसायिकता नहीं आनी चाहिए उन्होंने कहा कि पत्रिका समूह द्वारा डॉक्टर्स का किया गया सम्मान प्रशंसनीय है। उन्होंने आयोजन से कहा कि सकारात्मक कार्यो के लिए केवल प्रेरित ही नहीं किया जा रहा बल्कि समाने आकर कार्य भी किया जा रहा है उन्होंने सम्मानित होने वाले डॉक्टर्स को शुभकामनाएं दी तथा उनके द्वारा कोरोनाकाल सहित अन्य समय में किये गये सेवाभाव की प्रशंसा भी की। इस अवसर पर नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय सहित चिकित्सक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बूचड़खाने ले जाई जा रही 34 भैंसें पुलिस ने छुड़ाईं

क्रूरतापूर्वक ट्रक में भर कर ले जा रहे थेतीन पशु तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सेमरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 34 भैंसों को मुक्त कराया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रक को भी जब्त किया है। भैंसें और ट्रक समेत 60 लाख रुपए की सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई रीवा पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह के निर्देशन में की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा और एसडीओपी सिरमौर प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में सेमरिया थाना प्रभारी विकास कपीश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर की गई घेराबंदी थाना प्रभारी विकास कपीश ने बताया कि 14 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बड़े ट्रक में भैंसों को क्रूरतापूर्वक भरकर सेमरिया के रास्ते उत्तर प्रदेश के बूचड़खानों की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने गेरुआर मोड़ के पास घेराबंदी कर एक सफेद ट्रक को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रक से 34 भैंसें बरामद की गईं, जिनकी कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने करीब 60 लाख रुपए कीमत का ट्रक भी जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन पशु तस्करों मो. सुल्तान, आदिल और मेराज निवासी कोर्राही थाना बिसंडा जिला बांदा (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। वहीं तीन अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(घ) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

टीआरएस कॉलेज रीवा में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन : विविधता में एकता और नई शिक्षा नीति पर हुआ सार्थक अकादमिक मंथन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन 15 मार्च 2026 को हुआ। संगोष्ठी के समापन सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा गहन विचार-विमर्श किया गया, जो समाज में विविधता में एकता और नई शिक्षा नीति से संबंधित थे इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षा और समाज के विभिन्न पहलुओं पर चिंतन-मनन करना था संगोष्ठी के समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. विनोद रस्तोगी रहे, जबकि विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. एस.पी. शुक्ल, डॉ. धीरेन्द्र मिश्रा और रचना श्रीवास्तव ने भाग लिया। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस के अकादमिक सत्र में डॉ. धीरेन्द्र मिश्रा, सुजीत सिंह, डॉ. सतीष कुमार द्विवेदी, पुष्पराज सिंह डॉ. शिवांगी दाहिया, अवनीश सिंह साक्षी अग्रहरि, डॉ. मंजूश्री मिश्रा, डॉ. अर्पिता मिश्रा, ममता जायसवाल, ज्योति मिश्रा, लकी द्विवेदी, अंजलि कुशवाहा, महेश कुशवाहा ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. एस.पी. शुक्ल ने भारतीय समाज में विविधता में एकता पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया जिससे दर्शकों को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने का अवसर मिला। संगोष्ठी में युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'युवासमाजवैज्ञानिकअवार्ड' प्रदान किए गए। इस अवार्ड के तहत पूजा तिवारी ने प्रथम, अलका मिश्रा ने द्वितीय और साक्षी अग्रहरि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र और प्रतीक-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, संगोष्ठी के विषय से संबंधित पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें देव कृष्ण तिवारी ने प्रथम, सुजीत सिंह ने द्वितीय और संस्कृति सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया अंजलि कुशवाहा को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन सत्र में प्रोफेसर विनोद रस्तोगी ने संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत शोध पत्रों और विचारों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि ऐसे अकादमिक आयोजन न केवल शोध और चिंतन को नई दिशा प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और संवाद की भावना को भी मजबूत बनाते हैं संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया संगोष्ठी के सफल आयोजन में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश शुक्ल, सह-संयोजक डॉ. महानंद द्विवेदी और अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

उप मुख्यमंत्री ने घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री ने फोन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं जिले में निर्बाध गैस आपूर्ति के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा जिले में घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि नियमित घरेलू गैस सिलेण्डर आपूर्ति की व्यवस्थाऐं सुनिश्चित कराई जाय। बुकिंग के आधार पर गैस लेने वाले उपभोक्ताओं को सुगमता से गैस सिलेण्डर मिल सके उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय व प्रदेश स्तर के अधिकारियों से फोन से रीवा जिले में नियमित गैस सिलेण्डर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये न्यू सर्किट हाउस राजनिवास में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं कि जिले में नियमित गैस सिलेण्डर की आपूर्ति होती रही और बुकिंग का बैकलाग समाप्त हो जाय और लोगों को बिना किसी परेशानी के गैस सिलेण्डर मिलता रहे। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि सर्वर के ठीक ढंग से कार्य करने से गैस की आनलाइन बुकिंग हो रही है रीवा शहर में गैस की उपलब्धता के अनुसार वितरण किया जा रहा है। नियमित आपूर्ति के सभी प्रयास जारी हैं ताकि बैकलाग को पूरा करते हुए लोगों को सुगमता से गैस सिलेण्डर का वितरण हो सके। बैठक में गैस एजेंसी संचालकों ने गैस वितरण में प्रशासन द्वारा दिये गये सहयोग के लिए धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि गैस वितरण की सुगम व्यवस्था के लिए एजेंसियों द्वारा कार्य किया जा रहा है। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश ताण्डेकर सहित गैस एजेंसी के संचालक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।